



किरण

3000+
FACTS

NCERT

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

कक्षा VI से XII



By: Khan Sir (Patna)

One Liner Approach

सार संग्रह

(सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी)

विशेष आकर्षण

CONCEPT BOOSTER

GET Free!
DISCOUNT CARD
INSIDE

- भारतीय संविधान
- नागरिकता
- मौलिक अधिकार
- नीति निदेशक तत्व एवं कर्तव्य
- कार्यपालिका
- विधायिका
- न्यायपालिका
- स्थानीय शासन आदि



FULFILLMENT BY:
REPRO

VI से XII

ग्रन्थ

KIRAN INSTITUTE OF
CAREER EXCELLENCE

किरण

3000+
FACTS

NCERT

भारतीय राजत्यवस्था एवं संविधान

कक्षा VI से XII



By: Khan Sir (Patna)

One Liner Approach

सार संग्रह

(सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी)

विशेष आकर्षण

CONCEPT BOOSTER



- भारतीय संविधान • नागरिकता
- मौलिक अधिकार
- नीति निदेशक तत्व एवं कर्तव्य
- कार्यपालिका • विधायिका • न्यायपालिका • स्थानीय शासन आदि

KIRAN INSTITUTE OF CAREER EXCELLENCE Pvt. Ltd. (KICX), DELHI PRESENTS

RU-67, Pitampura, Delhi-110034, Ph.: 9821874015, 9821643815 • www.kicx.in

to
Download
Scan
QR Code



New edition

The copyright of this book is entirely with the Publisher. The reproduction of this book or a part of this will be punishable under the Copyright Act.

All disputes subject to Delhi jurisdiction.

The Publisher will not be responsible for the facts and opinions of the compilers/authors. In the compilation of the book, all the possible precautions have been taken. If there is any error left, the publisher will not be responsible.

Maps used in this book are not to scale
All Maps are Notional

© COPYRIGHT

KIRAN INSTITUTE OF CAREER EXCELLENCE PVT. LTD.

PRICE

95.00

(Rupees Ninety Five Only)

CONCEPT

Think Tank of KICK, Pratiyogita Kiran and Kiran Prakashan

EDITING

Aneel Dwivedi

ASSISTANCE

Sanket Sah, Achal Gupta

DESIGN & LAYOUT

KICK COMPUTER SECTION, New Delhi.

PRINTED AT

MK PRINTERS

5469, Near Kashi Ram Market
Opp. Spark Mall, Kamla Nagar, Delhi-110007



KIRAN PRAKASHAN PVT. LTD.

RU-67, Opposite Power House
Pitampura, Delhi-110034,

Ph. : 9821874015, 9821643815

E-mail: sanket2000_us@yahoo.com

www.kiranprakashan.com

प्रावक्तव्यन

प्रिय पाठकों,

एसएससी, रेलवे से लेकर यूपीएससी, पीसीएस तक की सभी एकदिवसीय बहुविकल्पीय प्रतियोगिता परीक्षाओं के सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र की तैयारी के दौरान सबसे पहला प्रश्न यह उठता है कि किन अध्ययन सामग्रियों की सहायता ली जाये और इसकी शुरुआत कहाँ से की जाये। इसका सर्वमान्य उत्तर है- 'कक्षा VI ले लेकर कक्षा XII तक की NCERT पुस्तकें'। इन परीक्षाओं के अध्यर्थियों के लिए पहली सलाह इन पुस्तकों को पढ़ने की ही दी जाती है, क्योंकि ये पुस्तकें प्रारंभिक से लेकर मुख्य परीक्षा और वस्तुनिष्ठ से लेकर विषयनिष्ठ प्रश्नों तक के लिए मात्र की तरह काम करती हैं। इसलिए कोई भी गंभीर अध्यर्थी NCERT पुस्तकों को छोड़ने का खतरा नहीं उठा सकता।

लेकिन इन पुस्तकों से संबंधित एक समस्या यह है कि इतनी सारी पुस्तकों को पढ़ना काफी समय लेने वाला होता है, फलतः यह बोझिल, थकाऊ, उबाऊ और चुनौतीपूर्ण होता है। यही बजह है कि कई अध्यर्थी इन पुस्तकों को पढ़ना तो प्रारंभ करते हैं, किंतु उसे बीच में ही छोड़ देते हैं। ऐसा इसलिए कि एक विषय पर सभी पुस्तकों को पढ़ना और फिर सभी संबंधित सूचनाओं को समेकित करना एक जटिल एवं दुरुह कार्य हो जाता है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि NCERT पुस्तकों में कई बार अद्यतन तथ्यों का अभाव दिखता है। उदाहरण के लिए, भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान एक गत्यात्मक (करंट) विषय है। समय के साथ राजव्यवस्था एवं शासन संबंधी नियम-विनियम बदलते रहते हैं, नये अध्यादेश लाये जाते हैं, नये कानून बनाये जाते हैं और संविधान में संशोधन होते रहते हैं। इसलिए अध्यर्थियों द्वारा हमेशा ऐसी पुस्तकों की जरूरत महसूस होती रही है जिनमें आवश्यक संशोधन किये गये हों, आंकड़ों को अद्यतन बनाया गया हो तथा समसामयिक तथ्यों का समावेश किया गया हो।

अध्यर्थियों के समक्ष आने वाली ऐसी जटिलताओं को कम करने के उद्देश्य से किरण प्रकाशन द्वारा खान सर, पटना द्वारा लिखित समसामयिक व अद्यतन तथ्यों व सामग्रियों से समृद्ध पुस्तकों की एक सीरीज प्रकाशित की गयी है। इस सीरीज की पुस्तक '**NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान One Liner Approach सार संग्रह**' अब आपके हाथ में है। इसमें कुल 21 अध्याय हैं, जिनमें भारतीय राजव्यवस्था का संवैधानिक विकास, संविधान निर्माण की प्रक्रिया, संविधान की प्रस्तावना, संघ और उसका राज्य क्षेत्र, नागरिकता संबंधी प्रावधान, मौलिक अधिकार, नीति निदेशक तत्व एवं कर्तव्य, संघ की कार्यपालिका, भारतीय संसद, भारतीय न्यायपालिका, राज्यों का शासन, राज्य विधानमंडल एवं संघ राज्य क्षेत्र, स्थानीय शासन, अनुसूचित एवं जनजाति क्षेत्रों का प्रशासन, केंद्र-राज्य संबंध, संघ एवं राज्यों के अधीन सेवाएं, चुनाव एवं निर्वाचन आयोग, कुछ वर्गों के संबंध में विशेष उपबंध, विभिन्न आयोग एवं परिषद, भारतीय संविधान में संशोधन आदि से संबंधित परीक्षोपयोगी सामग्री विद्युवार प्रश्नोत्तर शैली में प्रस्तुत की गयी है। इनको NCERT की सभी पुस्तकों से लेकर एक जगह पर संगृहीत किया गया है। प्रश्नों को बनाने के दौरान यह प्रयास किया गया है कि पाठकों को उनसे ज्यादा-से-ज्यादा सूचनाएं प्राप्त हो सकें। प्रश्नों को हल करते समय कई अवधारणाएं ऐसी होती हैं जिनको उसी समय समझना जरूरी होता है। इसके लिए प्रत्येक पृष्ठ पर संबंधित शब्दावली एवं तथ्यों (Concept Booster) को संकलित किया गया है। अंतिम अध्याय में गत वर्षों की विभिन्न परीक्षाओं में संबंधित विषय से पूछे गये प्रश्नों को उत्तर सहित प्रस्तुत किया गया है। लगभग सभी अध्यायों में विभिन्न सारणियां भी दी गयी हैं, जो स्वयं में अतिरिक्त तथ्यों को समाहित किये हुए हैं। इस पुस्तक को सरल एवं सुग्राह्य भाषा में रचा गया है, जिससे तथ्यों को समझने में आसानी हो। फलतः नये-पुराने सभी अध्यर्थियों के लिए ये पुस्तकें काफी उपयोगी साबित होंगी।

आप अपनी प्रतिक्रियाओं से हमें अवश्य अवगत करायें। यदि आप कोई सुझाव देना चाहें तो उसका हम सहर्ष स्वागत करते हैं और विश्वास दिलाते हैं कि आपके उचित सुझावों पर हम अवश्य अमल करेंगे। शुभकामनाओं के साथ,

- प्रकाशक

Email: sanket2000_us@yahoo.com

आणुव्रतमणिका

| अध्याय | विषय | पृष्ठ संख्या |
|--------|--|--------------|
| 1. | भारतीय राजव्यवस्था का संवैधानिक विकास | 5 |
| 2. | संविधान निर्माण की प्रक्रिया | 13 |
| 3. | संविधान की प्रस्तावना/उद्देशिका | 17 |
| 4. | संघ और उसका राज्य क्षेत्र | 19 |
| 5. | नागरिकता संबंधी प्रावधान | 25 |
| 6. | मौलिक अधिकार, नीति निदेशक तत्व एवं मौलिक कर्तव्य | 28 |
| 7. | संघ की कार्यपालिका | 42 |
| 8. | भारतीय संसद | 56 |
| 9. | भारतीय न्यायपालिका | 66 |
| 10. | राज्यों का शासन | 75 |
| 11. | राज्य विधानमंडल एवं संघ राज्य क्षेत्र | 80 |
| 12. | स्थानीय शासन | 89 |
| 13. | अनुसूचित एवं जनजाति क्षेत्रों का प्रशासन | 95 |
| 14. | केंद्र-राज्य संबंध | 97 |
| 15. | संघ एवं राज्यों के अधीन सेवाएं | 102 |
| 16. | चुनाव एवं निर्वाचन आयोग | 106 |
| 17. | कुछ वर्गों के संबंध में विशेष उपबंध | 111 |
| 18. | विभिन्न आयोग एवं परिषद आदि | 123 |
| 19. | भारतीय संविधान में संशोधन एवं अनुच्छेद | 130 |
| 20. | विविध तथ्य | 135 |
| 21. | गत वर्षों के दौरान पूछे गए प्रश्न व उनके उत्तर | 138 |

1

भारतीय राजव्यवस्था का संवैधानिक विकास

- द ईस्ट इंडिया कंपनी को पहले 'द कंपनी ऑफ मर्चेंट्स ऑफ लंदन ट्रेडिंग इनटू द ईस्ट इंडीज' के नाम से जाना जाता था। इसको भारत में 31 दिसंबर, 1600 को किसके द्वारा हस्ताक्षरित एक रॉयल चार्टर द्वारा स्थापित किया गया था? - महारानी एलिजाबेथ प्रथम
- किस युद्ध द्वारा भारत में अंग्रेजी साम्राज्य की नींव पड़ी? - प्लासी के युद्ध (1757) द्वारा
- किस युद्ध में ईस्ट इंडिया कंपनी की विजय होने से वह व्यापार के साथ-साथ भारत में शासन भी करने लगी? - बक्सर युद्ध (1764)
- 1765 में कंपनी को दीवानी अधिकार (बिहार, बंगाल, उड़ीसा) किस मुगल बादशाह द्वारा प्रदान किया गया था? - शाह आलम द्वितीय द्वारा
- भारत में सर्वप्रथम लिखित तथा विधायिका द्वारा पारित कानून के अनुसार शासन को संचालित करने का मार्ग कब प्रशस्त हुआ? - 1764 में बक्सर युद्ध के बाद

रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773

- रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773 को एक विधेयक के रूप में ब्रिटिश संसद में किसने प्रस्तुत किया था? - लॉर्ड फ्रेडरिक नॉर्थ
- भारतीय राज्यों पर संसदीय नियंत्रण का प्रारम्भ किस एक्ट द्वारा प्रारम्भ होता है? - 1773 के रेग्युलेटिंग एक्ट द्वारा
- रेग्युलेटिंग एक्ट के बाद बंगाल के (फोर्ट विलियम) गवर्नर को कंपनी के सम्पूर्ण भारतीय क्षेत्र का प्रथम गवर्नर जनरल बनाया गया। प्रथम गवर्नर जनरल किसको नियुक्त किया गया? - वॉरेन हेस्टिंग्स
- किस एक्ट द्वारा भारत में ब्रिटिश मंत्रिमंडल द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी के कार्यों को नियमित एवं नियंत्रित किया गया और इसमें पहली बार कंपनी के प्रशासनिक और राजनीतिक कार्यों को मान्यता मिली तथा इसके द्वारा भारत में केन्द्रीय प्रशासन की नींव रखी गयी? - 1773 के रेग्युलेटिंग एक्ट द्वारा
- रेग्युलेटिंग एक्ट 1773 द्वारा किन प्रेसीडेंसियों को बंगाल के गवर्नर जनरल के अधीन कर दिया? - बम्बई एवं मद्रास
- इस एक्ट के द्वारा कंपनी ने ब्रिटिश सरकार से कितने लाख पौंड का कर्ज मांगा था? - 10 लाख पौंड का
- रेग्युलेटिंग एक्ट को किस वर्ष लागू किया गया था? - 1774 ई. में
- किस एक्ट द्वारा गवर्नर जनरल की सहायता के लिए चार सदस्यों की एक परिषद बनायी गयी तथा परिषद सहित गवर्नर जनरल को अध्यादेश जारी करने का अधिकार प्रदान किया गया? - रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773 द्वारा
- रेग्युलेटिंग एक्ट के द्वारा 1774 में एक सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गयी, जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश और तीन अपर न्यायाधीश होते थे। इस सुप्रीम कोर्ट की स्थापना कहाँ की गयी थी? - कोलकाता में
- सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के विरुद्ध अपील कहाँ की जा सकती थी? - प्रिवी कॉर्सिल
- 1774 ई. में स्थापित सर्वोच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश कौन थे? - सर एलीजा इम्पे
- रेग्युलेटिंग एक्ट की त्रुटियों को दूर करने के लिए कौन-सा एक्ट पारित किया गया? - एक्ट ऑफ सेटलमेंट, 1781

प्रिवी कॉर्सिल

प्रिवी कॉर्सिल की स्थापना 1 मई, 1708 को की गयी थी। यह एक प्रकार का सर्वोच्च अपीलीय न्यायालय था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के विरुद्ध अपील इसी कॉर्सिल में जाती थी। स्वतंत्रता के बाद प्रिवी कॉर्सिल क्षेत्राधिकार उन्मूलन अधिनियम, 1949 द्वारा प्रिवी कॉर्सिल में अपील करने के अधिकार को समाप्त कर दिया गया।

एक्ट ऑफ सेटलमेंट, 1781

1773 के रेग्युलेटिंग एक्ट की कमियों को दूर करने के उद्देश्य से ब्रिटिश संसद द्वारा 'एक्ट ऑफ सेटलमेंट, 1781' को पारित किया गया। इसके अनुसार, कलकत्ता की सरकार को बंगाल, बिहार और उड़ीसा के लिए भी विधि बनाने का अधिकार प्रदान किया गया। इस अधिनियम द्वारा सर्वोच्च न्यायालय पर यह रोक लगा दी गयी कि वह कंपनी के कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यावाही नहीं कर सकता, जो उन्होंने एक सरकारी अधिकारी की हैसियत से किया हो। कानून बनाने तथा उसका क्रियान्वयन करते समय भारतीयों के सामाजिक तथा धार्मिक रीति-रिवाजों का सम्मान करने का भी निर्देश दिया गया। इस एक्ट ऑफ सेटलमेंट के द्वारा ही राजस्व अधिकारिता को समाप्त कर दिया गया।

भारत में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना

रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773 से इंग्लैण्ड के सप्राट को कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट स्थापित करने का अधिकार प्राप्त हुआ। परिणामस्वरूप सप्राट जॉर्ज द्वितीय ने 26 जुलाई, 1774 को चार्टर जारी कर कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की। यह एक अभिलेख न्यायालय था और मुकदमों का संपूर्ण अभिलेख रखा जाता था। सर एलीजा इम्पे को मुख्य न्यायाधीश तथा रॉबर्ट चैम्बर्स, स्टिफन सीजर लि मैस्टर और जॉन हाइड को अन्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। सुप्रीम कोर्ट को समस्त अपराधिक, दीवानी, नावाधिकरण

किंविण NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- एकट ऑफ सेटलमेंट, 1781 द्वारा किस सरकार को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा के लिए विधि बनाने का अधिकार प्रदान किया गया था? - कलकत्ता सरकार
- किस एकट ने सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को निश्चित किया था और उसके मुकाबले कार्यपालिका की स्थिति को मजबूत किया था? - एकट ऑफ सेटलमेंट, 1781 ने

पिट्स इंडिया एकट, 1784

- किस एकट के द्वारा इंडिया में सरकार का विभाग बनाया गया, जिसे 'नियंत्रण बोर्ड' (बोर्ड ऑफ कंट्रोल) कहते थे और इसका मुख्य कार्य डायरेक्टर्स की नीति को नियंत्रित करना था? - पिट्स इंडिया एकट, 1784
- पिट्स इंडिया एकट का नाम विलियम पिट (William Pitt) के नाम पर रखा गया था। वह उस समय किस पद पर विद्यमान थे? - प्रधानमंत्री
- (नोट: विलियम पिट 24 वर्ष की आयु में 1783 में ग्रेट ब्रिटेन के प्रधानमंत्री नियुक्त हुए। वह ब्रिटेन के सबसे युवा प्रधानमंत्री हैं। वह जनवरी 1801 में युनाइटेड किंगडम के प्रथम प्रधानमंत्री बने।)
- कंपनी के व्यापार के अतिरिक्त उसके सभी असैनिक, सैनिक तथा राजस्व संबंधी मामलों के लिए गठित बोर्ड ऑफ कंट्रोल के सदस्यों की संख्या कितनी थी? - 6 सदस्य
- (नोट: नियंत्रण बोर्ड में एक चांसलर ऑफ एक्सचेकर, एक राज्य सचिव तथा उसके द्वारा नियुक्त चार प्रिवी कॉर्सिल के सदस्य होते थे। तीन डायरेक्टरों की एक समिति द्वारा बोर्ड के सभी मुख्य आदेश भारत को भेजे जाते थे।)
- बोर्ड ऑफ कंट्रोल की इस व्यवस्था को क्या नाम दिया गया था? - द्वैध शासन व्यवस्था
- गवर्नर जनरल की नियुक्ति इस एकट (1784) से पहले सम्प्राट द्वारा की जाती थी, किंतु अब उनकी नियुक्ति किसके द्वारा की जाने लगी? - बोर्ड ऑफ कंट्रोल द्वारा
- किस एकट के द्वारा भारत में कंपनी का शासन ब्रिटिश शासन के निर्देशन तथा नियंत्रण में आ गया तथा भारत में कंपनी की व्यापारिक और राजनीतिक कार्यकलापों को एक दूसरे से अलग कर दिया गया? - पिट्स इंडिया एकट द्वारा
- व्यापारिक कार्यों का प्रबंध कंपनी के निर्देशकों द्वारा किया जाने लगा, परंतु राजनीतिक नियंत्रण एवं निरीक्षण किसके द्वारा किया जाने लगा? - बोर्ड ऑफ कंट्रोल द्वारा
- गवर्नर जनरल की शक्ति और कार्यक्षमता में वृद्धि करने के लिए इसकी परिषद के सदस्यों की संख्या कितनी की गयी? - चार से तीन कर दी गयी

1786 का एकट

- किस एकट में यह व्यवस्था की गयी कि गवर्नर जनरल अपनी परिषद के बहुमत के बावजूद भी निर्णय ले सकेगा? - 1786 के एकट में
- 1786 के एकट द्वारा गवर्नर जनरल एवं मुख्य सेनापति पद को मिला दिया गया। इस अधिनियम के तहत सर्वप्रथम किसकी नियुक्ति की गयी थी? - कार्नवालिस की

1793 का चार्टर एकट

- सर्वप्रथम कंपनी के व्यापारिक अधिकारों को 1793 ई. के चार्टर एकट द्वारा आगले कितने वर्षों के लिए बढ़ाया गया? - 20 वर्षों के लिए
- बोर्ड ऑफ कंट्रोल के सदस्यों तथा कर्मचारियों के बेतन भारतीय राजस्व से दिये जाने की व्यवस्था किस एकट द्वारा की गयी? - 1793 के चार्टर एकट द्वारा
- 1793 के चार्टर अधिनियम द्वारा किन महानगरों के लिए नगर निगम के गठन की व्यवस्था की गयी? - मद्रास, कलकत्ता एवं बम्बई

1813 ई. का चार्टर एकट

- किस अधिनियम द्वारा सर्वप्रथम भारतीय प्रदेशों पर क्राउन की प्रभुसत्ता का दावा किया गया? - 1813 के चार्टर एकट द्वारा
- इस एकट ने भारत के निवासियों के लिए साहित्य एवं विज्ञान का प्रसार करने के लिए प्रतिवर्ष कितने रूपये खर्च करने का प्रावधान किया गया? - 1 लाख रुपये

संबंधी तथा धार्मिक मामलों की सुनवाई कर निर्णीत करने का अधिकार दिया गया था। उसे रिटॉ जारी करने की शक्ति भी प्रदान की गयी थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की अपील प्रिवी कॉर्सिल में की जा सकती थी। वैसे भारत में संघीय न्यायालय की स्थापना भारत शासन अधिनियम, 1935 के द्वारा 1 अक्टूबर, 1937 को की गयी। सर मौरिस गैर्यर को संघीय न्यायालय का पहला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया।

द्वैध शासन पद्धति

द्वैध शासन (Diarchy) पद्धति एक ऐसी संवैधानिक व्यवस्था है, जिसके तहत दो तरह की व्यवस्थाओं द्वारा शासन किया जाता है। इसे दो स्वतंत्र प्राधिकारियों द्वारा सत्ता का संचालन भी कहा जा सकता है। द्वैध शासन के सिद्धान्त का प्रतिपादन ब्रिटिश सम्प्रादक लियोनेल कर्टिस ने किया। बाद में यह सिद्धान्त 1919 ई. के भारतीय शासन विधान में लागू किया गया, जिसके अनुसार प्रांतों में द्वैध शासन स्थापित हुआ। वैसे भारत में सबसे पहले द्वैध शासन बंगाल में 1765 ई. की इलाहाबाद संधि के अंतर्गत लगाया गया था। इसके तहत भू-राजस्व बसूलने का अधिकार ईस्ट इंडिया कम्पनी के पास था, जबकि प्रशासन बंगाल के नवाब के नाम से चलता था। द्वैध शासन पद्धति के अनुसार प्रांतों में शिक्षा, स्वायत्त शासन, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक निर्माण, कृषि तथा सहकारिता आदि विभागों का प्रशासन मंत्रियों को हस्तांतरित कर दिया गया। ये मंत्री प्रांतीय विधानसभा के निर्वाचित सदस्य होते थे और विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होते थे। दूसरी ओर राजस्व, कानून, न्याय, पुलिस, सिंचाई, श्रम तथा वित्त आदि विभागों का प्रशासन गवर्नर की एकजीक्यूटिव कॉर्सिल के सदस्यों के लिए सुरक्षित रखा गया था। ये सदस्य गवर्नर द्वारा मनोनीत होते थे और उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होते थे, विधानसभा के प्रति नहीं। ऐसी स्थिति में प्रांतीय विभागों को खर्च के लिए एकजीक्यूटिव कॉर्सिल के सदस्यों का मुहं देखना पड़ता था। इस शासन पद्धति को गवर्नर्मेंट ऑफ इंडिया एकट, 1935 में भी शामिल किया गया, जिसके तहत केंद्र

भारतीय राजव्यवस्था का संवैधानिक विकास

- चार्टर एक्ट, 1813 द्वारा किस धर्म के प्रचारकों (मिशनरियों) को भारत आने और अपने धर्म के प्रचार की सुविधा प्रदान की गयी? - **ईसाई धर्म**
- किस एक्ट के द्वारा कंपनी के व्यापारिक एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया तथा सभी ब्रिटिश नागरिकों को भारत के साथ व्यापार करने की अनुमति प्रदान की गयी? - **1813 के चार्टर एक्ट द्वारा**
- कंपनी के व्यापारिक एकाधिकार को 1813 ई. के चार्टर एक्ट द्वारा समाप्त कर दिया गया था, परंतु किस पर उसका एकाधिकार बना रहा? - **चाय एवं चीनी के व्यापार पर**
- कंपनी के सैनिक और असैनिक कर्मचारियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था कहां की गयी? - **क्रमशः हेलवरी कॉलेज एवं एडिस्कोम्ब स्कूल में**

1833 ई. का चार्टर एक्ट

- कंपनी द्वारा चीन के साथ व्यापार और चाय के व्यापार का एकाधिकार किस एक्ट द्वारा समाप्त कर निःशुल्क व्यापार को भारत में लागू किया गया ? - **1833 ई. के चार्टर एक्ट द्वारा**
- इस एक्ट के द्वारा कंपनी व्यापारिक संस्था न रहकर किस संस्था के रूप में जानी गयी? - **प्रशासनिक निकाय के रूप में**
- इस एक्ट के द्वारा बंगाल के गवर्नर जनरल का भारत के गवर्नर जनरल के रूप में पुनः नामकरण किया गया। अतः इस एक्ट द्वारा भारत का प्रथम गवर्नर जनरल किसको नियुक्त किया गया? - **लॉर्ड विलियम बैटिंक**
- ब्रिटिश जनता बिना लाइसेंस के भारत में भूमि किस एक्ट के द्वारा खरीद सकती थी? - **1833 के चार्टर एक्ट द्वारा**
- किस एक्ट द्वारा कोई भी भारतीय केवल धर्म, जाति, मूलवंश और वर्ण के आधार पर सरकारी सेवा के लिए अयोग्य नहीं होगा? - **1833 ई. के चार्टर द्वारा**
- गवर्नर जनरल की परिषद में एक नये सदस्य (विधि सदस्य के रूप में) की नियुक्ति की व्यवस्था की गयी। इस पद पर नियुक्ति पाने वाला प्रथम सदस्य था? - **लॉर्ड मैकाले बोर्ड ऑफ कंट्रोल का प्रेसीडेंट किन विषयों का मंत्री होने लगा?** - **भारतीय विषयों का**
- 1833 के चार्टर एक्ट द्वारा भारत में किस प्रथा को अवैध घोषित किया गया? - **दास प्रथा**

1853 ई. का चार्टर एक्ट

- बंगाल के लिए लेफिटनेंट गवर्नर की नियुक्ति की व्यवस्था किस अधिनियम के द्वारा की गयी? - **1853 के चार्टर अधिनियम द्वारा**
- 1853 के चार्टर एक्ट के तहत भारत के लिए पृथक विधान परिषद की स्थापना की गयी। इस परिषद में सदस्यों की संख्या कितनी थी? - **कुल 12**
- 1853 के चार्टर एक्ट द्वारा किस सदस्य को परिषद का पूर्ण सदस्य बना दिया गया? - **विधि सदस्य को**
- विधान परिषद द्वारा पारित विधेयकों को कौन वीटो कर सकता था? - **गवर्नर जनरल**
- विधान परिषद में वाद-विवाद का प्रारूप मौखिक था। परिषद के कार्य की प्रकृति कैसी थी- गोपनीय या सार्वजनिक? - **सार्वजनिक**
- चार्टर एक्ट, 1853 के तहत किस सेवा के अंतर्गत भारतीय अधिकारियों की नियुक्ति के लिए खुली प्रतियोगिता परीक्षा की शुरूआत हुई? - **भारतीय सिविल सेवा**
- कार्यपालिका तथा विधायी शक्तियों के पृथक्करण के लिए सर्वप्रथम प्रयास प्रारम्भ किया गया? - **1853 के चार्टर एक्ट द्वारा**
- सर्वप्रथम सम्पूर्ण भारत के लिए एक विधानमंडल का प्रावधान कब किया गया? - **1853 में (चार्टर एक्ट द्वारा)**
- 1853 के चार्टर एक्ट द्वारा सर्वप्रथम विधान परिषद में किस सिद्धांत को स्वीकार किया गया? - **क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को**

में भी इसको लागू करने की व्यवस्था की गयी। लेकिन 1935 का नया शासन विधान कभी पूर्णतया लागू नहीं किया जा सका। स्वतंत्रता के बाद भारत का नया संविधान बनने के बाद पुराने शासन विधान और द्वैध शासन पद्धति का स्वतः ही अंत हो गया।

भारत के लिए पृथक विधान परिषद

1853 के चार्टर एक्ट के तहत भारत के लिए पृथक विधान परिषद की स्थापना की गयी। इस परिषद में 12 सदस्य होते थे। कमांडर-इन-चीफ, गवर्नर जनरल, गवर्नर जनरल के चार सदस्य तथा 6 सभासद विधान परिषद के सदस्य होते थे। इन 6 सदस्यों में बंगाल के मुख्य न्यायाधीश, कलकत्ता सुप्रीम कोर्ट का एक न्यायाधीश और बंगाल, मद्रास, बम्बई एवं आगरा इन चार प्रांतों के प्रतिनिधि शामिल थे। इस प्रकार भारतीय विधान परिषद में सर्वप्रथम क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का सिद्धांत पारित किया गया।

दास प्रथा और उस पर प्रतिबंध

दास प्रथा प्राचीन काल से सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के कई देशों में व्याप्त रही। माना जाता है कि चीन में 18वीं-12वीं शताब्दी ईसा पूर्व 'गुलामी प्रथा' का उल्लेख मिलता है। भारत के प्राचीन ग्रंथ 'मनुस्मृति' में भी इसका जिक्र किया गया है। भारत में मुस्लिमों के शासन काल में दास प्रथा में बहुत वृद्धि हुई। यहां तक कि दासों को नपुंसक तक बना डालने की क्रूर प्रथा का प्रारम्भ हुआ। यह प्रथा भारत में ब्रिटिश शासन स्थापित हो जाने के उपरांत काफी दिनों तक चलती रही। सन् 1807 में ब्रिटेन ने और 1808 में अमेरिकी कांग्रेस ने दास प्रथा उन्मूलन कानून के तहत अपने-अपने देशों में अफ्रीकी गुलामों की खरीद-फरोख पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी। 1833 तक यह कानून पूरे ब्रिटिश साम्राज्य में लागू किया गया। भारत में ब्रिटिश शासन के समय 1833 के चार्टर एक्ट द्वारा भारत में दास प्रथा को अवैध घोषित किया गया। इसके बाद 1843 ई. में गवर्नर जनरल लॉर्ड एलनबरो के कार्यकाल में भारतीय दासता अधिनियम पारित कर इस प्रथा को प्रतिबंधित किया गया।

किंदण NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1858

- किस एक्ट के द्वारा कंपनी का शासन समाप्त हो गया एवं ब्रिटिश क्राउन (साम्राज्ञी) द्वारा शासन की बागडोर संभाल ली गयी?
- गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1858 द्वारा
- 1858 के अधिनियम किस नाम से पारित किया गया था?
 - एक्ट फॉर द बोर्टर गवर्नमेंट ऑफ इंडिया
- 1858 में भारत का प्रशासन साम्राज्ञी द्वारा नियुक्त 15 सदस्यीय एक परिषद को सौंपा गया। इस परिषद का अध्यक्ष किस नाम से जाना जाता था?
 - मुख्य राज्य सचिव या भारत राज्य सचिव
- राज्य सचिव को इस समय डायरेक्टर्स के बोर्ड तथा नियंत्रण बोर्ड, दोनों की संयुक्त शक्तियां मिल गयीं। राज्य सचिव की 15 सदस्यीय परिषद में सदस्यों की नियुक्ति कौन करता था? - ब्रिटिश क्राउन (8 सदस्य), डायरेक्टर्स के बोर्ड (7 सदस्य)
- किसको निदेशक मंडल का अंतिम अध्यक्ष और भारत का प्रथम राज्य सचिव नियुक्त किया गया?
 - लॉर्ड स्टैनली
- भारत सचिव ब्रिटिश मंत्रिमंडल का सदस्य होता था। वह किसके प्रति उत्तरदायी था?
 - ब्रिटिश सम्बद्ध
- गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1858 के पारित होने के समय ब्रिटिश प्रधानमंत्री कौन थे?
 - लॉर्ड पामर्स्टन
- इस अधिनियम ने 1784 में पिट्स इंडिया एक्ट द्वारा स्थापित किस शासन व्यवस्था को समाप्त कर दिया?
 - दोहरी शासन व्यवस्था को
- इस अधिनियम द्वारा भारत का गवर्नर जनरल वायसराय बन गया, जो क्राउन का सीधा प्रतिनिधि था। यह पदनाम धारण करने वाला प्रथम व्यक्ति कौन था? - लॉर्ड कैनिंग
- एक अधिनियम द्वारा भारत के देशी राजाओं के ब्रिटिश राज से सीधे संबंध किस वर्ष स्थापित किया गया?
 - 1858 में
- लॉर्ड डलहौजी के साम्राज्य विस्तार का अंत किस अधिनियम द्वारा किया गया?
 - 1858 के अधिनियम द्वारा
- किस अधिनियम में भारत के शासन का क्षेत्रीय विभाजन किया गया था?
 - भारत सरकार अधिनियम, 1858

1861 ई. का इंडियन कॉमिल एक्ट

- सर्वप्रथम किस अधिनियम में विधि बनाने के कार्य में भारतीयों के सहयोग को प्रारम्भ किया गया तथा प्रांतीय विधान सभाओं को विधि बनाने का अधिकार भी दिया गया?
 - 1861 के अधिनियम द्वारा
- भारत परिषद अधिनियम, 1861 द्वारा भारत में किन संस्थाओं को प्रारम्भ किया गया था?
 - प्रतिनिधि संस्थाओं को
- 1861 के भारत परिषद अधिनियम द्वारा किसको विधान सभा में भारतीयों को मनोनीत करने की शक्ति प्रदान की गयी?
 - वायसराय को
- 1861 के भारत परिषद अधिनियम द्वारा वायसराय की विधान परिषद के सदस्यों की संख्या बढ़ा दी गयी। इसमें न्यूनतम संख्या 6 और अधिकतम 12 निर्धारित की गयी। इनको वायसराय मनोनीत करता था। इन सदस्यों का कार्यकाल कितना था? - 2 वर्ष
- भारत परिषद अधिनियम, 1861 द्वारा वायसराय को संकटकालीन परिस्थिति में विधान परिषद की अनुमति के बिना ही अध्यादेश जारी करने का अधिकार प्रदान किया गया, जो अधिकतम कितने समय तक लागू रह सकता था?
 - 6 माह तक
- भारत में नये प्रांतों की स्थापना करने और उनकी सीमाओं में परिवर्तन करने का अधिकार किसे प्राप्त था?
 - वायसराय/गवर्नर जनरल को
- भारत परिषद अधिनियम, 1861 द्वारा किस कार्यप्रणाली की शुरुआत की गयी थी?
 - विभागीय कार्यप्रणाली

भारत सचिव

भारत सचिव या भारत राज्य सचिव (*Secretary of State for India*) पद का निर्माण 1858 में किया गया। 'बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स' एवं 'बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल' के समस्त अधिकार भारत सचिव को सौंप दिये गये। भारत सचिव ब्रिटिश मंत्रिमंडल का एक सदस्य होता था। फलतः वह केवल ब्रिटिश संसद के प्रति उत्तरदायी होता था। उसकी सहायता के लिए 15 सदस्यीय भारतीय परिषद का गठन किया जाता था, जिसमें 7 सदस्यों की नियुक्ति कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स एवं शेष 8 की नियुक्ति ब्रिटिश सरकार करती थी। इन सदस्यों में आधे से अधिक के लिए यह शर्त थी कि वे भारत में कम से कम 10 वर्ष तक रह चुके हों। भारत सचिव इस परिषद का अध्यक्ष होता था। भारत सचिव व उसकी कॉसिल का खर्च भारतीय राजकोष से दिया जाता था। लॉर्ड स्टैनली प्रथम भारत सचिव थे। उनका कार्यकाल 2 अगस्त, 1858 से 11 जून, 1859 तक था। दूसरे भारत सचिव सर चाल्स बुड थे, जो 18 जून, 1859 से 16 फरवरी, 1866 तक इस पद पर रहे। वर्ष 1937 से भारत सचिव की अधिकारिता के तहत बर्मा भी आ गया। इस प्रकार यह पद 'भारत एवं बर्मा के लिए राज्य सचिव' के नाम से जाना जाने लगा। द मारक्वेस ऑफ जेटलैंड अंतिम भारत सचिव थे। यही वह पहले व्यक्ति थे जिन्होंने 'भारत एवं बर्मा के लिए राज्य सचिव' का पद धारण किया। इस पद पर रहने वाले अंतिम व्यक्ति द अर्ल ऑफ लिस्टोवेल थे, जिनका कार्यकाल 14 अगस्त, 1947 से 4 जनवरी, 1948 तक रहा। इसके पहले इस पद पर लॉर्ड पैथिक लॉरेंस (1945-47) थे।

बर्मा में ब्रिटिश शासन

1754 ई. में अलोंगपाया ने शान एवं मॉन साम्राज्यों को जीतकर 'बर्मा वंश' की स्थापना की, जो 19वीं शताब्दी तक रहा। अंग्रेजों ने तीन युद्धों में जीत हासिल कर बर्मा में ब्रिटिश शासन की स्थापना की। प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध (1824-26) में अंग्रेजों ने आराकान तथा टेनैसरिम पर

भारतीय राजव्यवस्था का संवैधानिक विकास

- इंडियन सिविल एक्ट तथा इंडियन हाई कोर्ट एक्ट कब पारित किया गया था? - 1861 में
किसके मतानुसार 1861 के एक द्वारा भारत में विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई?

- वी.एम. पायली

- बम्बई तथा मद्रास प्रांतों को अपने लिए कानून बनाने तथा उसमें संशोधन करने का अधिकार दिया गया, परंतु इसके लिए किसकी स्वीकृति आवश्यक थी? - वायसराय की भारतीय शासन व्यवस्था में एक प्रतिनिधि एवं लोकप्रिय घटक को समाविष्ट करने का प्रथम प्रयास द्वारा किया गया?

- भारत परिषद अधिनियम, 1861

1892 ई. का इंडियन कौंसिल एक्ट

- राजकीय एवं प्रांतीय विधायी परिषदों के गैर-सरकारी सदस्यों के अप्रत्यक्ष चुनाव की शुरुआत हुई? - 1892 के भारत परिषद अधिनियम द्वारा
- इस अधिनियम द्वारा केन्द्रीय और प्रांतीय विधान परिषदों की सदस्य संख्या में वृद्धि की गयी। केन्द्रीय विधान परिषद में न्यूनतम और अधिकतम सदस्य संख्या कितनी निर्धारित की गयी?
- वार्षिक बजट पर बहस करने तथा प्रश्न पूछने का अधिकार इस अधिनियम द्वारा मिला, परंतु कौन-सा अधिकार नहीं मिला? - मत देने का अधिकार
- दोनों परिषदों को बजट पर वाद-विवाद करने एवं कार्यकारिणी से प्रश्न पूछने का अधिकार दिया गया, परंतु कौन-सा प्रश्न पूछने का अधिकार नहीं मिला? - पूरक प्रश्न पूछने का अधिकार
- इस अधिनियम का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान चुनाव पद्धति की शुरुआत करनी थी। निर्वाचित की पद्धति पूर्णतया अप्रत्यक्ष थी। निर्वाचित सदस्यों को क्या कहा जाता था? - मनोनीत
- भारतीय विधानमंडल के सदस्यों को निर्वाचित कौन करता था? - नगरपालिकाएं, जिला बोर्ड, विश्वविद्यालय और वाणिज्य मंडल

भारत परिषद अधिनियम, 1909 (मार्ले-मिन्टो सुधार एक्ट, 1909)

- नवंबर 1906 में लॉर्ड कर्जन के स्थान पर लॉर्ड मिन्टो को भारत का वायसराय नियुक्त किया गया। भारत सचिव किसको नियुक्त किया गया? - जॉन मार्ले
- मार्ले-मिन्टो सुधारों के नाम से किस अधिनियम को जाना जाता है? - भारत परिषद अधिनियम, 1909
- इस एक्ट का उद्देश्य क्या था? - नरम दल को संतुष्ट करना, नरम दल को गरम दल से अलग करना एवं सांविधानिक प्रगति को रोकना
- किस अधिनियम द्वारा भारतीयों को प्रशासन तथा विधि निर्माण दोनों कार्यों में प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया? - 1909 मार्ले-मिन्टो सुधार एक्ट द्वारा
- मार्ले-मिन्टो सुधार को किसने 'दमन करने और सुविधा देने की दोहरी और मिली-जुली नीति' कहा था? - डॉ. महादेव प्रसाद वर्मा
- इस सुधार द्वारा भारतीयों को कार्यकारिणी परिषदों में नियुक्त किये जाने की व्यवस्था की गयी। भारत सचिव की परिषद में नियुक्त होने वाले दो भारतीय कौन थे? - एस.के. गुप्ता एवं सैयद हुसैन बिलग्रामी
- मार्ले-मिन्टो सुधार के बाद पहली बार भारतीयों को भारत सचिव की भारत परिषद तथा वायसराय की कार्यकारिणी परिषद में नियुक्त किया गया। वायसराय की कार्यकारिणी परिषद में नियुक्त होने वाले प्रथम भारतीय कौन थे? - सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा
- (नोट: भारत सचिव लॉर्ड मार्ले ने अपनी परिषद में दो भारतीयों एस.के. गुप्ता और सैयद हुसैन बिलग्रामी को नियुक्त किया।)
- किस भारत सरकार अधिनियम के तहत पहली बार विधायिका में कुछ निर्वाचित प्रतिनिधित्व की मंजूरी दी गयी? - भारत सरकार अधिनियम, 1909

अधिकार प्राप्त किया; द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध (1852) के फलस्वरूप बर्मा का दक्षिणी भाग इनके अधीन हो गया तथा तृतीय आंग्ल-बर्मा युद्ध (1885) में संपूर्ण बर्मा पर इनका अधिकार हो गया। 1886 में पूरा बर्मा ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य के अंतर्गत आ गया, किंतु 1935 ई. के भारतीय शासन अधिनियम के अंतर्गत बर्मा को भारत से अलग कर दिया गया। 1937 से विधिवत बर्मा को भारत से अलग करके उसे ब्रिटिश क्राउन कॉलोनी (उपनिवेश) बना दिया गया। 15 अगस्त, 1947 को भारत को तथा 4 जनवरी, 1948 को बर्मा को ब्रिटिश राज से आजादी मिली।

मार्ले-मिन्टो सुधार

भारत परिषद अधिनियम, 1909 को मार्ले-मिन्टो सुधार इसलिए कहा जाता है, क्योंकि जब यह एक्ट पारित हुआ, तब भारत के वायसराय लॉर्ड मिन्टो तथा भारत सचिव लॉर्ड मार्ले थे। लॉर्ड मार्ले भारतीय प्रशासन में सुधारों के समर्थक थे और लॉर्ड मिन्टो उनके विचारों से सहमत थे। इसीलिए उनके द्वारा किये गये सुधारों को मार्ले-मिन्टो सुधार के नाम से जाना जाता है। इसके द्वारा चुनाव प्रणाली के सिद्धांत को भारत में पहली बार मान्यता मिली; गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में पहली बार भारतीयों को प्रतिनिधित्व मिला तथा केंद्रीय एवं विधान परिषदों के सदस्यों को सीमित अधिकार भी प्रदान किये गये। साथ ही, इस अधिनियम द्वारा मुसलमानों को प्रतिनिधित्व के मामले में विशेष रियायतें दी गयीं। वास्तव में सरकार इन सुधारों द्वारा नरमपर्थियों एवं मुसलमानों का लालच देकर राष्ट्रवाद के उफान को रोकना चाहती थी, जिसमें वह कुछ हद तक सफल भी रही। 1909 के सुधारों से जनता को नाममात्र के सुधार ही प्राप्त हुए। ऐसी परिस्थितियाँ बनीं कि विधानमंडल और कार्यकारिणी के मध्य कड़वाहट बढ़ गयी तथा भारतीयों एवं सरकार के आपसी संबंध और ज्यादा खराब हो गये। कुल मिलाकर इन सुधारों से जनता को कुछ खास नहीं मिला। इसीलिए महात्मा गांधी ने कहा 'मार्ले-मिन्टो सुधारों ने हमारा सर्वनाश कर दिया'।

किंवद्दण NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- सर्वप्रथम निर्वाचित सदस्यों को किन आधारों पर चुने जाने की व्यवस्था को गयी? - बर्गीय हितों एवं श्रेणियों के आधार पर हुई?
 - इस अधिनियम द्वारा साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व प्रणाली की शुरुआत किस वर्ग के लिए हुई? - मुसलमानों के लिए हुई?
 - भारत परिषद अधिनियम, 1909 के द्वारा मुसलमानों को पृथक मताधिकार और पृथक निर्वाचन क्षेत्रों की स्थापना का अधिकार दिया गया। इसी कारण लॉर्ड मिन्टो को क्या कहा जाता है? - माम्ब्रदायिक प्रतिनिधित्व का जनक कहा जाता है?
 - इन सुधारों के तहत विधानमंडल या परिषदों के सदस्यों को बजट पर 'पूरक प्रश्न' पूछने का अधिकार दिया गया। किसने इसे 'कांग्रेस के उदारवादियों के लिए रिश्वत' कहा? - केएम मुर्शी (नोट: केएम मुर्शी ने इस अधिनियम को यह भी कहा था कि 'इन्होंने उभरते हुए प्रजातंत्र को मार डाला है।')
 - विधानमंडल के मददों को बजट पर बहस करने एवं प्रश्न पूछने के अतिरिक्त कौन-सा अधिकार प्राप्त हुआ? - पूरक प्रश्न पूछने का
 - माले-मिन्टो सुधार को किसने 'केवल चाद को चांदनी के समान' कहा था? - मज़बूतारने
 - किसने माले-मिन्टो सुधार को कहा था कि "ये सुधार प्रजातंत्रचाद और नौकरशाही के बीच एक अधूरा और अल्पकालीन समझौता हैं"? - फ्रेंजे मैकडोनाल्ड
 - माले-मिन्टो सुधार एक्ट कब लागू किया गया था? - 1910 में
- मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार एक्ट, 1919**
- भारत शासन अधिनियम (1919) के तात्कालिक कारणों में होमरूल आंदोलन (1916) के अलावा किस क्रियान्वयन को रिपोर्ट थी, जिसमें भारतीय सरकार की अकुशलता का सम्पूर्ण आरोप था? - मेमोरांटामिया कमिशन (1916)
 - इस अधिनियम में पहली बार देश में द्विसदनीय व्यवस्था और प्रत्यक्ष निर्वाचन की व्यवस्था की गयी। इस अधिनियम को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है? - मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार
 - भारत सरकार अधिनियम, 1919 के अंतर्गत केंद्र में द्विसदनीय व्यवस्था को स्थापना की गयी। दोनों मददों को क्या कहा जाता था? - गन्धी परिषद व क्रीड़ाय विधानसभा किस सुधार अधिनियम से राज्यों में आशिक उत्तरदायी शासन तथा केंद्र में अनुउत्तरदायी शासन व्यवस्था की शुरुआत हुई? - मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार अधिनियम, 1919
 - मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार के तहत प्रांतों में द्वैध शासन प्रणाली की शुरुआत हुई। इसका जन्मदाता किसको माना जाता है? - सर लियोनेल कार्टिंग
 - किस अधिनियम से भारत सचिव के अधिकारों में कटौती की गयी और इसका बेतन ब्रिटिश राजकोष से दिये जाने का प्रबंधन किया गया? - 1919 के अधिनियम से
 - कवें समिति की अनुशंसा पर भारत के लिए इंडिया में एक उच्चायुक्त नियुक्त किया गया। 1920 में किसको भारत का प्रथम उच्चायुक्त नियुक्त किया गया? - सर विलियम म्योर
 - प्रांतों को पहली बार कर लगाने तथा ऋण लेने का अधिकार किस सुधार से प्रदान किया गया? - मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार से
 - 1909 के अधिनियम से शुरू की गयी साम्प्रदायिक निर्वाचन व्यवस्था को किन समुदायों के लिए विस्तारित किया गया अर्थात् उनको पृथक प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया? - पंजाब में सिखों को, कुछ प्रांतों में यूरोपियनों व एंलो इंडियनों को तथा भारतीय ईसाइयों को
 - यह अधिनियम (1919) स्थायी व्यवस्था न होकर कौन-सी व्यवस्था थी? - एक मंक्रमणकालीन व्यवस्था

उच्चायुक्त और राजदूत

राष्ट्रमण्डल के सदस्य देशों के प्रतिनिधि एक दूसरे के यहां पर उच्चायुक्त के नाम से जाने जाते हैं। राष्ट्रमण्डल के सदस्य देश व देश हैं जो कभी न कभी ब्रिटेन के अधीन रहे हैं। राष्ट्रमण्डल देशों में भारत के प्रतिनिधि उच्चायुक्त कहलाते हैं तथा इन देशों में भारतीय विदेश सेवा के कार्यालय को उच्चायोग कहा जाता है। उदाहरणार्थ- पाकिस्तान, इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया में भारत सरकार के प्रतिनिधि को उच्चायुक्त कहा जाता है, क्योंकि ये सभी राष्ट्रमण्डल के सदस्य हैं। दूसरी ओर, राष्ट्रमण्डल देशों के अलावा जो भी देश हैं, वहां पर भारत सरकार के प्रतिनिधि को राजदूत कहा जाता है, जैसे- अमेरिका और जापान। साथ ही, इन देशों में स्थित भारतीय विदेश मंत्रालय के कार्यालय को 'दूतावास' कहा जाता है। किसी उच्चायुक्त या किसी राजदूत की भूमिका एक समान ही होती है। कवें समिति की सिफारिश पर इंग्लैंड में 1920 में सबसे पहले भारत का एक उच्चायुक्त नियुक्त किया गया, जिनका नाम था सर विलियम स्टीवेंसन म्योर। स्वतंत्रता के बाद युनाइटेड किंगडम में भारत के पहले उच्चायुक्त वी. के. कृष्ण मेनन थे।

भारत शासन अधिनियम, 1919

ब्रिटिश संसद ने भारत के औपनिवेशिक प्रशासन के लिए नवा 'भारत सरकार अधिनियम, 1919' पारित किया। इसको 'मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार' भी कहा जाता है, क्योंकि इस अधिनियम के पारित होने के समय एडविन मॉन्टेग्यू भारत सचिव तथा लॉर्ड चेम्सफोर्ड वायसराय थे। सरकार का दावा था कि उस अधिनियम की विशेषता 'उत्तरदायी शासन की प्रगति' है, किंतु इसमें कई कमियां थीं। उदाहरणार्थ, इसमें भारतीयों के लिए मताधिकार बहुत सीमित था; केंद्र में कार्यकारी परिषद के सदस्यों का गवर्नर जनरल के निर्णयों पर कोई नियंत्रण नहीं था और न ही केंद्र में विषयों का विभाजन संतोषजनक था। प्रांतीय स्तर पर प्रशासन का दो स्वतंत्र भागों में विभाजन भी राजनीति के सिद्धांत व व्यवहार के विरुद्ध था। तथापि, इस अधिनियम का भारत के सांविधानिक विकास के इतिहास में

भारतीय राजव्यवस्था का संवैधानिक विकास

- किसने 1919 के सुधारों को बालगंगाधर तिलक ने 'बिना सूरज का सवेरा' बताया था। इस अधिनियम को किसने भारत में संसदीय जीवन का चलन बताया था? - **मौरिस जॉस** ने 1919 के अधिनियम किस समिति द्वारा तैयार किया गया था? - **साउथ बोरोह समिति** लोक सेवा आयोग स्थापित करने के विचार की सर्वप्रथम चर्चा किस आयोग में की गयी थी? - **ली आयोग** में
- नगरीय प्रशासन से संबंधित स्पष्ट प्रावधान 1919 के अधिनियम द्वारा किया गया था। नगरीय प्रशासन के विकेन्द्रीकरण पर रिपोर्ट देने के लिए किस आयोग का गठन 1909 में किया गया था? - **शाही विकेन्द्रीयकरण आयोग**
- 1919 के अधिनियम में भारत की प्रांतीय परिषदों के लिए 3 वर्ष की अवधि निर्धारित थी। 1919 अधिनियम को किस वर्ष लागू किया गया था? - **1921 में**
- भारत शासन अधिनियम (1919) से संबंधित सुधारों की जांच और नये संविधान में भारत की स्थिति का पता लगाने के लिए 1927 में सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में किस आयोग का गठन किया गया? - **साइमन कमीशन**
- 1919 के अधिनियम की धारा 84 के अनुसार साइमन आयोग का गठन किया गया। इसकी रिपोर्ट कब प्रकाशित हुई? - **जून 1930 में**
- साइमन कमीशन द्वारा डोमिनियन दर्जे की मांग को ठुकरा दिये जाने के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने किस अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज्य' का प्रस्ताव पारित किया? - **लाहौर अधिवेशन, 1929**
- तत्कालीन सेक्रेटरी ऑफ स्टेट लॉर्ड वर्कनहेड की चुनौती पर सभी दलों को स्वीकार्य संविधान का प्रारूप बनाने के लिए 1928 में किसकी अध्यक्षता में नौ सदस्यीय समिति बनायी गयी? - **पं. मोतीलाल नेहरू**
(नोट: इस समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारूप को ही नेहरू रिपोर्ट के नाम से जाना जाता है।)
- नेहरू रिपोर्ट के 'साम्प्रदायिक समझौता' में सभी समुदायों के संयुक्त निर्वाचक समूह का प्रस्ताव था। इस प्रस्ताव पर सबसे ज्यादा आपत्ति किसने की? - **मुहम्मद अली जिना**
- साइमन आयोग की रिपोर्ट पर विचार करने के लिए लंदन में गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। पहले गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस ने भाग नहीं लिया, फलतः इसमें कोई सहमति नहीं बन सकी। यह सम्मेलन कब आयोजित किया गया? - **12 नवंबर, 1930 को**
- फरवरी 1931 के 'गांधी-इर्विन समझौते' के फलस्वरूप दूसरे गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस की तरफ से किसने भाग लिया? - **महात्मा गांधी**
- किस गोलमेज सम्मेलन के बाद ही 'साम्प्रदायिक अधिनिर्णय' (Communal Award) और पूना समझौता का आविर्भाव हुआ, जिनके द्वारा धार्मिक समूहों और हिन्दुओं के विभिन्न वर्ण समूहों को विशेष प्रतिनिधित्व दिया गया? - **दूसरा गोलमेज सम्मेलन**
- तीसरा और अंतिम गोलमेज सम्मेलन नवंबर 1932 में हुआ। इसमें जारी श्वेतपत्र पर ब्रिटेन की संसद की संयुक्त प्रवर समिति ने विचार किया। इसके सुझावों के आधार पर कौन-सा अधिनियम अस्तित्व में आया? - **भारत सरकार अधिनियम, 1935**

गवर्नरमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935

- किसने कहा है, "भारत के वर्तमान संविधान के अधिकांश प्रावधान 1935 के अधिनियम पर आधारित हैं"? - **आइवर जेमिंग्स**
- 1935 के अधिनियम का मुख्य उद्देश्य क्या था? - **संघीय ढांचे की स्थापना करना** 1935 के अधिनियम का संघीय ढांचे में ब्रिटिश भारत के कौन-से क्षेत्रों को सम्मिलित करना था? - **ब्रिटिश प्रांतों एवं देशीय राजाओं को**
- क्या 1935 का अधिनियम व्यवहार रूप में कार्यान्वित किया गया था? - **नहीं**
- भारतीय संविधान का ब्लू प्रिंट समझा जाता है? - **भारत सरकार अधिनियम, 1935**
- इस अधिनियम में शक्तियों के विभाजन के लिए कितनी सूचियों का उल्लेख किया गया था? - **तीन (संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची)**

महत्वपूर्ण स्थान है। 1919 के इस अधिनियम का तात्कालिक कारण 1916 के होमरूल आंदोलन तथा मेसोपोटामिया आयोग की रिपोर्ट थी, जिसमें भारतीय सरकार की अकुशलता का स्पष्ट आरोप था। इस अधिनियम को 1921 में लागू किया गया।

डोमिनियन स्टेट

डोमिनियन स्टेट का तात्पर्य ऐसे ब्रिटिश उपनिवेश से था, जो आंतरिक मामलों में पूर्णतः स्वतंत्र परंतु विदेशी मामलों में अंग्रेजों के अधीन हों। इसके 'औपनिवेशिक स्वराज्य' भी कहते हैं। डोमिनियन स्टेट्स की मांग भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहली बार 1908 में की थी। उस समय इसका आशय केवल इतना ही था कि आंतरिक मामलों में भारतीयों को स्वशासन का अधिकार दिया जाये, जैसा कि ब्रिटिश साम्राज्य के अंतर्गत कनाडा को प्राप्त था किंतु ब्रिटिश भारतीय सरकार ने इस मांग को अस्वीकार कर दिया। 31 अक्टूबर, 1929 को वायसराय लॉर्ड इर्विन ने घोषणा की कि, भारत में संवैधानिक प्रगति का लक्ष्य औपनिवेशिक स्वराज्य की प्राप्ति है। लेकिन अब कांग्रेस ने इसे मानने से इंकार कर दिया और पूर्ण स्वराज्य की घोषणा की।

नेहरू रिपोर्ट (1928)

पं. मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में भारतीय संविधान के मसौदे को तैयार करने के लिए एक आठ सदस्यीय समिति 19 मई, 1926 को नियुक्त की गयी। इसने अपनी रिपोर्ट (प्रस्तावित संविधान का प्रारूप) 10 अगस्त, 1928 को प्रस्तुत की। इसे ही 'नेहरू रिपोर्ट' कहा गया। इसकी प्रमुख सिफारिशें इस प्रकार हैं-

- भारत को डोमिनियन का दर्जा दिया जाये और संसदीय रूप की सरकार स्थापित की जाये जिसमें द्विसदनीय विधायिका-सीनेट और प्रतिनिधि सदन हो।
- सीनेट का गठन 7 वर्ष के लिए चुने जाने वाले 200 सदस्यों से मिलकर हों और प्रतिनिधि सदन में 5 वर्ष के लिए चुने जाने वाले 500 सदस्य शामिल हों।
- गवर्नर जनरल कार्यकारी परिषद की सलाह पर कार्य करे जो सामूहिक रूप से संसद के प्रति उत्तरदायी हो।

विद्युत NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 के द्वारा इन तीनों सूचियों के अतिरिक्त शेष शक्तियां किसको प्रदान की गयी थीं? - गवर्नर जनरल को
- 1935 के अधिनियम की एक महत्वपूर्ण विशेषता थी 'प्रांतीय स्वायत्ता'। इस स्वायत्ता का क्या तात्पर्य था? - प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर उत्तरदायी सरकार बनाना
- इस अधिनियम (1919) द्वारा केंद्र में द्वैध शासन की स्थापना के उपरांत संघीय विषय को कितने भागों में बांटा गया? - दो (संरक्षित एवं हस्तांतरित)
- (नोट: संरक्षित विषयों में प्रतिरक्षा, विदेशी, धार्मिक और जनजातीय क्षेत्र सम्मिलित थे।)
- गवर्नर जनरल के कृत्यों के निर्वहन में उसकी सहायता तथा मंत्रणा के लिए किसकी व्यवस्था की गयी थी? - दस से अनधिक सदस्यों की मत्रिपरिषद की
- इस अधिनियम द्वारा 1937 में दिल्ली में एक संघीय कोर्ट की स्थापना की गयी। इस संघीय न्यायालय में कितने न्यायाधीश थे? - एक मुख्य न्यायाधीश तथा 6 अन्य न्यायाधीश
- केन्द्रीय बैंक (Reserve Bank of India) का प्रावधान किस अधिनियम के द्वारा किया गया? - भारत शासन अधिनियम, 1935 द्वारा
- 1935 के अधिनियम के अनुसार, पहली बार छह प्रांतों को द्विसदनीय बनाया गया। ये प्रांत कौन-कौन से थे? - बंगाल, मद्रास, बम्बई, उत्तर प्रदेश, बिहार एवं असम
- 1935 के अधिनियम का संघीय व्यवस्था वाला भाग कभी लागू नहीं हुआ, क्योंकि - रियासतों को मध्य में शामिल नहीं किया जा सका
- कौंसिल ऑफ स्टेट एक स्थायी निकाय था, जिसे भाग नहीं किया जा सकता था, परंतु उसके सदस्य कब सेवानिवृत्त होते थे? - प्रति तीसरे वर्ष 1/3 सदस्य सेवानिवृत्त धन विधेयक केवल निम्न सदन में ही पेश किये जा सकते थे, परंतु ऊपरी सदन को निम्न सदन के समान ही उनमें संशोधन करने या उन्हें अस्वीकार करने की शक्ति प्राप्त थी। दोनों सदनों में गतिरोध होने पर किसके द्वारा मतभेद को दूर किया जा सकता था?
- गवर्नर जनरल को संयुक्त बैठक बुलाकर गतिरोध दूर करने की शक्ति प्राप्त थी।
- इस अधिनियम को किस कांग्रेस अधिवेशन में यह कहकर अस्वीकार कर दिया गया कि इससे राष्ट्र की इच्छा किसी भी प्रकार पूरी नहीं होती? - लखनऊ एवं फैजपुर अधिवेशन
- 1935 के अधिनियम द्वारा दो नये प्रांत सिंध और उड़ीसा का निर्माण हुआ। किन क्षेत्रों को ब्रिटिश भारत से पृथक कर दिया गया? - बर्मा और अदन को
- इस अधिनियम में कितने अनुच्छेद एवं अनुसूचियां थीं? - 321 अनुच्छेद व 10 अनुसूचियां
- किसने भारत शासन अधिनियम, 1935 को दासता का नया चार्टर कहा था? - महात्मा गांधी
- जब तक संविधान का निर्माण नहीं हुआ तब तक शासन का प्रबंध किस अधिनियम के तहत क्रियान्वित किया जा रहा था? - 1935 के अधिनियम के तहत

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

- ब्रिटिश संसद द्वारा पारित भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम (1947) के द्वारा भारत का विभाजन कर दिया गया, वायसराय तथा ब्रिटेन में भारत सचिव का पद समाप्त कर दिया गया। इसने शाही उपाधि से भारत का सम्राट शब्द समाप्त कर दिया। इस योजना को और किस नाम से जाना जाता है? - माउंटबेटन योजना
- भारत स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ने किस अधिनियम को वैधानिक तौर पर आत्मसात किया? - भारत सरकार अधिनियम, 1935
- इस अधिनियम में रियासतों के राजाओं को भारत अधवा पाकिस्तान में शामिल होने से दूर दी गयी थी। इन राजाओं को विलय के लिए कितनी समयसीमा का निर्धारण किया गया था? - किसी समयसीमा का निर्धारण नहीं
- क्या इस अधिनियम द्वारा किसी स्तर पर दोनों देशों में शामिल होने की प्रक्रिया में क्या को जनता को शामिल किया गया था? - नहीं

- संघीय रूप की सरकार स्थापित की जाये जिसमें अवशिष्ट शक्तियां केंद्र के पास हों।
- अल्पसंख्यकों के लिए पृथक निर्वाचन प्रणाली को समाप्त किया जाये और संयुक्त निर्वाचन प्रणाली स्थापित की जाये।
- पंजाब व बंगाल में समुदायों के लिए कोई सीट आरक्षित नहीं हो।
- भारत में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की जाये और न्यायपालिका विधायिका से स्वतंत्र हो।
- भाषाई आधार पर प्रांतों का गठन हो।
- सिंध को बम्बई प्रांत से पृथक किया जाये।
- पूर्ण धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना की जाये।

माउंटबेटन योजना (जून 1947)

लॉर्ड माउंटबेटन को मार्च 1947 में भारत का वायसराय बनाकर भेजा गया। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजन के प्रश्न पर कांग्रेस और मुस्लिम लीग के नेताओं के साथ बातचीत करके एक योजना तैयार की, जिसे 'माउंटबेटन योजना' के नाम से जाना जाता है। इस योजना की घोषणा 3 जून, 1947 को की गयी, जिसमें हस्तांतरण को प्रक्रिया को सुगम बनाने तथा दोनों प्रमुख सम्राटायों का समायोजन करने के लिए देश को दो भागों में विभाजित करने का सुझाव दिया गया। इस योजना को कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने स्वीकार कर लिया तथा यह निर्णय लिया गया कि भारत और पाकिस्तान को सत्ता का हस्तांतरण डॉमिनियन स्टेट्स के आधार पर किया जायेगा। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 को जुलाई 1947 में पारित कर दिया।

1947 का अधिनियम और कश्मीर

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 की किसी भी धारा में रियासतों की चर्चा करते हुए यह प्रावधान नहीं है कि जम्मू-कश्मीर रियासत के विलय का प्रश्न अन्य रियासतों को भाग्ति नहीं, बल्कि अलग ढंग से जनता संग्रह द्वारा होगा और न ही भारत सरकार अधिनियम, 1935 में ऐसा कोई प्रावधान था।

2

संविधान निर्माण की प्रक्रिया

- स्वतंत्र भारत के संविधान निर्माण के लिए संविधान सभा के गठन को ब्रिटिश सरकार द्वारा सैद्धांतिक मंजूरी 1940 में दी गयी, जिसे 'अगस्त प्रस्ताव' के नाम से जाना जाता है, परंतु भारत में पहली बार संविधान सभा के गठन का विचार किसने रखा? - एम.एन. राय (1934) ने
- ब्रिटिश प्रधानमंत्री कलीमेंट एटली ने भारतीय संविधान सभा की स्थापना एवं भारत की स्वतंत्रता संबंधी समस्याओं पर भारतीयों से विचार-विमर्श के उद्देश्य से 15 फरवरी, 1946 को किस मिशन को भारत भेजने की घोषणा कब की थी? - कैबिनेट मिशन
- 24 मार्च, 1946 को कैबिनेट मिशन दिल्ली आया। इस मिशन के सदस्य कौन-कौन थे? - स्टैफर्ड क्रिप्स, पैथिक लॉरेंस और एवी अलेक्जेंडर
- कैबिनेट मिशन ने किसी भी रूप में मुस्लिम लीग की किस मांग को अस्वीकार कर यह सिफारिश की कि भारत में एक संघ की स्थापना की जाये, जिसमें ब्रिटिश भारत तथा देशी राज्य सम्मिलित होंगे? - पाकिस्तान की मांग
- कैबिनेट मिशन ने यह भी सिफारिश की कि संघ तीनों विषयों— विदेश विभाग, रक्षा तथा संचार अपने पास रखेगा। उसने संघीय विषयों के अतिरिक्त सभी विषय एवं अवशिष्ट शक्तियां किनमें निहित होने की सिफारिश की? - प्रांतों में
- संविधान निर्माण के दौरान देश का प्रशासन चलाने के लिए बड़े राजनीतिक दलों के समर्थन से क्या बनाने की सिफारिश की गयी थी? - एक अंतरिम सरकार
- कैबिनेट मिशन ने भारत के लिए 389 सदस्यों वाली संविधान सभा की सिफारिश की थी, परंतु बाद में यह संख्या घटाकर कितनी कर दी गयी थी? - 385 सदस्य
- इन 385 सदस्यों में से कितने सदस्य प्रांतों से और कितने देशी रियासतों से चुने जाने थे? - 292 सदस्य प्रांतों एवं 93 सदस्य देशी रियासतों में
- प्रस्तावित संविधान सभा के चुनाव के लिए प्रांतों को कितने समूहों में बांटा गया? - तीन समूहों में (पहला समूह: मद्रास, मुम्बई, संयुक्त प्रांत, विहार, केन्द्रीय प्रांत, उड़ीसा; दूसरा समूह: पंजाब, उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत, सिंध और तीसरा समूह: बंगाल तथा असम)
- प्रांतों का प्रतिनिधित्व मुख्यतः तीन समुदायों की जनसंख्या के आधार पर विभाजित किया गया था। ये समुदाय कौन-से थे? - मुस्लिम, सिख एवं साधारण
- संविधान सभा में सीटों का निर्धारण तीन प्रमुख समुदायों (मुस्लिम, सिख व सामान्य) में उनकी जनसंख्या के अनुपात में किया गया था, परंतु प्रत्येक समुदाय के प्रतिनिधियों का चुनाव किस पद्धति से हुआ था? - एकल संक्रमणीय समानुपातिक प्रतिनिधित्व
- संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से प्रांतीय व्यवस्थापिका द्वारा हुआ था। इसमें किन दो प्रमुख हस्तियों ने भाग नहीं लिया? - महात्मा गांधी और जिना
- संविधान सभा के चुनाव कब सम्पन्न हुए थे? - जुलाई 1946 में
- एक प्रतिनिधि लगभग कितनी जनसंख्या पर चुना गया था? - 10 लाख की जनसंख्या पर 1 अगस्त, 1946 को वेल ने कांग्रेस अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अंतिम सरकार के गठन के लिए निमंत्रण दिया। नेहरू जी के नेतृत्व में इस सरकार की घोषणा 24 अगस्त, 1946 को की गयी। इसका गठन कब किया गया? - 2 मित्रबर, 1946 को

अगस्त प्रस्ताव

भारत के वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो ने 8 अगस्त, 1940 को शिमला से एक वक्तव्य जारी किया, जिसे 'अगस्त प्रस्ताव' कहा गया। यह प्रस्ताव कांग्रेस द्वारा ब्रिटेन से भारत की स्वतंत्रता के लक्ष्य को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में लाया गया था। इस प्रस्ताव ने संविधान निर्माण प्रक्रिया की नींव रखी। यह प्रथम अवसर था जब संविधान निर्माण के भारतीयों के अधिकार को स्वीकार किया गया और कांग्रेस ने संविधान सभा के गठन को सहमति प्रदान की। इस प्रस्ताव के प्रमुख प्रावधान इस प्रकार थे—

- विश्व युद्ध के बाद भारत के संविधान निर्माण के लिए प्रतिनिधिक भारतीय निकाय की स्थापना करना।
- सलाहकारी युद्ध परिषद की स्थापना करना।
- वायसराय की कार्यकारी परिषद का तत्काल विस्तार करना।
- भारत के लिए डोमिनियन स्टेट्स मुख्य लक्ष्य।

लेकिन कांग्रेस ने इस प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया। जवाहरलाल नेहरू ने कहा कि जिस डोमिनियन स्टेट की स्थिति पर यह प्रस्ताव आधारित है, वह दरवाजे में जड़ी जंग लगी कील की तरह है। उधर गांधीजी ने कहा कि इस घोषणा ने राष्ट्रवादियों और ब्रिटिश शासकों के बीच की खाई को और चौड़ा कर दिया है। लेकिन मुस्लिम लीग इस प्रस्ताव के कई प्रावधानों से खुश थी।

अंतरिम सरकार 1946 के सदस्य

- राष्ट्रपति, कार्यकारी परिषद (वायसराय और गवर्नर जनल ऑफ इंडिया): लॉर्ड विस्काउंट वावेल (फरवरी 1947 तक); लॉर्ड माउटबेटन (फरवरी 1947 से स्वतंत्रता तक)
- कमांडर-इन-चीफ: सर क्लाउड आर्चिनलेक
- उपराष्ट्रपति (विदेशी मामले और राष्ट्रमंडल संबंध का प्रभार सहित): जवाहरलाल नेहरू (कांग्रेस)

किरण NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- प्रारम्भ में मुस्लिम लीग ने संविधान सभा का बहिष्कार किया था, परंतु बाद में वह इसमें कब सम्मिलित हुआ? - **अक्टूबर 1946 में**
- 1946 में बनी अंतरिम सरकार में बाद में मुस्लिम लीग भी शामिल हो गयी। इस सरकार में कांग्रेस के 7 और मुस्लिम लीग के पांच प्रतिनिधि शामिल थे। इसमें गृहमंत्री वल्लभभाई पटेल थे। वित्तमंत्री का प्रभार किसको दिया गया था? - **लियाकत अली खान**
- प्रांतों का प्रतिनिधित्व मुख्यतः तीन समुदायों की जनसंख्या के आधार पर विभाजित किया गया था। ये समुदाय कौन-से थे? - **मुस्लिम, मिथ्या एवं माध्यमिक**
- भारतीय संविधान के निर्माण हेतु संविधान सभा का चुनाव जुलाई 1946 में किया गया। इसकी प्रथम बैठक किस तिथि को सम्पन्न हुई? - **9 दिसंबर, 1946 को**
- मुस्लिम लीग ने संविधान सभा की बैठक का बहिष्कार किया और पाकिस्तान के लिए अलग संविधान सभा की मांग प्रारम्भ कर दी। किस रियासत के प्रतिनिधि संविधान सभा में सम्मिलित नहीं हुए थे? - **हैदराबाद**
- भारत के किन रियासतों ने अधिमिलन पत्र पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया था? - **कश्मीर, हैदराबाद एवं जूनागढ़**
- गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन ने पाकिस्तान के लिए पृथक् संविधान सभा की स्थापना की घोषणा कब की? - **26 जुलाई, 1947 को**
- संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की थी। बाद में 11 दिसंबर, 1946 को किसे संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष बनाया गया? - **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को**
- 11 दिसंबर, 1946 को ही संविधान सभा द्वारा उपाध्यक्ष एवं संवैधानिक सलाहकार पद पर किसको चुना गया था? - **क्रमशः एच.सी. मुखर्जी एवं सर बी.एन. राय**
- क्या महात्मा गांधी जुलाई 1946 में गठित संविधान सभा के सदस्य के रूप में शामिल थे? - **नहीं**
- बी.एन. राय एवं कृष्णास्वामी अव्यर जवाहरलाल नेहरू के सलाहकार थे। वी.पी. मेनन एवं के.एम. मुंशी किसके सलाहकार थे? - **सरदार पटेल के**
- 26 नवंबर, 1949 तक संविधान सभा को दोहरी भूमिका निभानी थी। जब इसकी बैठक संविधान सभा के रूप में होती, तो इसकी अध्यक्षता डॉ. राजेन्द्र प्रसाद करते थे। जब यह विधायिका के रूप में कार्य करती थी, तो इसकी अध्यक्षता कौन करता था? - **जी.वी. मावलकर**
- संविधान सभा की कार्यवाही 13 दिसंबर, 1946 को किसके द्वारा पेश किये गये उद्देश्य प्रस्ताव के साथ प्रारम्भ हुई? - **जवाहरलाल नेहरू**
- पंडित नेहरू द्वारा 'उद्देश्य प्रस्ताव' को भारतीय संविधान में किस रूप में जगह दी गयी? - **प्रस्तावना (जिसे सबसे बाद में लागू किया गया)**
- 13 दिसंबर से 19 दिसंबर, 1946 तक संविधान सभा ने उद्देश्य प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया। संविधान सभा ने कब इसे सर्वसम्मति से फस किया? - **22 जनवरी, 1947 को**
- संविधान सभा ने किस तिथि को भारत का विभाजन मंजूर कर लिया था? - **3 जून, 1947 को**
- संविधान सभा में संविधान द्वारा तैयार करने के लिए कितनी समितियां गठित की गयी थीं? (संविधान सभा ने संविधान निर्माण के विविध कार्यों से निपटने के लिए 22 समितियों का चयन किया। इनमें से 10 प्रक्रियात्मक मामलों पर और 12 मूल मामलों पर थे।) - **कुल 22**

- **गृह मामले, सूचना एवं प्रमाण:** सरदार वल्लभभाई पटेल (कांग्रेस)
- **कृषि एवं खाद्य:** राजेन्द्र प्रसाद (कांग्रेस)
- **वाणिज्य:** इन्हाइम इस्माइल चुनद्रीगर (मुस्लिम लीग)
- **रक्षा:** वलदेव सिंह (कांग्रेस)
- **वित्त:** लियाकत अली खान (मुस्लिमलीग)
- **शिक्षा व कला:** सी. राजगोपालाचारी (कांग्रेस)
- **रेलवे:** अरुणा आसफ अली
- **स्वास्थ्य:** जी. अली खान (मुस्लिम लीग)
- **श्रम:** जगजीवन राम (कांग्रेस)
- **विधि:** जोगेन्द्र नाथ मंडल (मुस्लिम लीग)
- **सम्प्रेषण, डाक व वायु यातायात:** अब्दुर राज निश्तर (मुस्लिम लीग)
- **छानन व विजली:** सी. ए.च. भाभा (कांग्रेस)

यह अंतरिम सरकार 15 अगस्त, 1947 तक नयी सरकार के गठन, जिसके प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू थे, कार्यरत रही।

संविधान की प्रमुख विशेषताएं

- भारतीय संविधान वृहद रूप में लिखित संविधान है।
- भारतीय संविधान संसदीय प्रभुत्व और न्यायिक सर्वोच्चता में अभूतपूर्व सामंजस्य बनाये रखता है।
- संविधान में वयस्क मताधिकार को मान्यता दी गयी है, जिससे लोकतंत्र और भी मजबूत होगा।
- एकल नागरिकता भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषता है।
- भारतीय संविधान में स्वतंत्र न्यायपालिका की व्यवस्था है। यह व्यवस्था लोकतांत्रिक समाज व शासन का स्रोत होती है।
- संशोधन की प्रक्रिया के आधार पर यह अनन्य और नन्य संविधानों का मिश्रण है।
- संविधान कानून के मूलभूत सिद्धांतों के अनुरूप व्याख्यायित होता है, जैसे-विधि का शासन, नैसर्गिक न्याय आदि।
- भारतीय संविधान एकात्मकता की ओर उन्मुख संघीय संविधान है।
- भारतीय संविधान में नीति के निर्देशक तत्वों का समावेश किया गया है, जिसमें राज्य को किस दिशा में आगे बढ़ना है, यह निर्देश प्राप्त होता रहता है।

संविधान निर्माण की प्रक्रिया

अन्य समितियों की सिफारिश पर विचार करने और संविधान के मूल पाठ के प्रारूप की जांच करने के लिए 29 अगस्त, 1947 को किसकी अध्यक्षता में 'प्रारूप समिति' गठित की गयी?

- डॉ. भीमराव अम्बेडकर

इस प्रारूप समिति में अध्यक्ष सहित कुल सदस्यों की संख्या कितनी थी? - 7 सदस्य
(प्रारूप समिति में सदस्य): डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, अल्लादी कृष्ण स्वामी अयंगर, एन.जी. अयंगर, कन्हैयालाल माणिक्यलाल मुंशी, एन. माधवराज (बी.एल. मित्रा के स्थान पर), टी.टी. कृष्णामाचारी (डी.पी. खेतान के स्थान पर), संघव मोहम्मद सदुतुल्लाह) भारतीय संविधान का पहला प्रारूप 31 अक्टूबर 1947 में तैयार किया गया था। इन संकलनों में लागभग कितने देशों के संविधान से मुख्य अंश उद्धृत किये गये थे? - 60 देशों के संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव किस प्रकार हुआ था?

- प्रांतीय विधानसभा के सदस्यों के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से

15 अगस्त, 1947 को देश विभाजन के बाद संविधान सभा का पुनर्गठन कब किया गया?

- 31 अक्टूबर, 1947 को

संविधान सभा में संविधान का प्रथम वाचन 4 नवंबर से 9 नवंबर, 1948 तक; दूसरा वाचन 15 नवंबर, 1948 से 17 अक्टूबर, 1949 तक तथा तीसरा वाचन 14 नवंबर से 26 नवंबर, 1949 तक चला। संविधान सभा द्वारा संविधान को कब पारित किया गया?

- 26 नवंबर, 1949 को

संविधान का प्रस्ताव संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के हस्ताक्षर के बाद कब स्वीकृत हुआ?

- 26 नवंबर, 1949 को

29 नवंबर, 1949 को संविधान के कौन-से उपबंध तत्काल प्रभाव से लागू कर दिये गये?

- नागरिकता, निर्वाचन एवं अंतरिम संसद संबंधी स्थायी संवैधानिक व संक्रमणकारी उपबंध

भारत का संविधान 26 नवंबर, 1949 को अंगीकृत किया गया। संविधान सभा के सदस्यों द्वारा इस पर कब अंतिम रूप से हस्ताक्षर किये गये? - 24 जनवरी, 1950 को

संविधान सभा की अंतिम बैठक के दिन ही संविधान सभा के द्वारा किसको भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया?

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

भारतीय संविधान का जनक किसे कहा जाता है? - डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को

भारतीय संविधान के निर्माण में कुल कितना समय लगा था? - 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन

संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर, 1949 को अपनाये गये संविधान में कुल 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं। वर्तमान में भारतीय संविधान में कितनी अनुसूचियां हैं?

- 12 अनुसूचियां

संविधान के 15 अनुच्छेदों (अनुच्छेद 5, 6, 7, 8, 9, 60, 324, 366, 367, 372, 380, 388, 391, 392 तथा 393) को 26 नवंबर, 1949 को ही लागू किया गया। पूरा संविधान देश में कब लागू हुआ?

- 26 जनवरी, 1950 को

भारत प्रभुत्वसम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य कब बना?

- 26 जनवरी, 1950 को

भारतीय संविधान दिवस कब मनाया जाता है?

- 26 नवंबर को

संविधान के उद्घाटन के लिए 26 जनवरी को चुना गया था, क्योंकि?

- कांग्रेस ने इसे 1930 में स्वाधीनता दिवस के रूप में मनाया था

भारतीय संविधान द्वारा संप्रभुता का निवास स्थान कहां माना गया है? - जनता में विश्व का सबसे छोटा संविधान अमेरिका का है। विश्व का सबसे बड़ा संविधान किस देश का है?

- भारत का

संविधान सभा की समितियां एवं उनके अध्यक्ष

- **संविधान सभा:** डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा (अस्थायी अध्यक्ष)
- **संविधान सभा:** डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (स्थायी अध्यक्ष)
- **नियम समिति:** डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- **संघ शक्ति समिति:** पं. जवाहरलाल नेहरू
- **संघ संविधान समिति:** पं. जवाहरलाल नेहरू
- **प्रांतीय संविधान समिति:** सरदार वल्लभभाई पटेल
- **संचालन समिति:** डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- **राष्ट्रीय ध्वज तर्दधर समिति:** डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- **प्रारूप समिति:** डॉ. भीमराव अम्बेडकर
- **संविधान के प्रारूप की विशेष जांच समिति:** अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर
- **झण्डा समिति:** जे.बी. कृपलानी
- **राज्य समिति:** पं. जवाहरलाल नेहरू
- **सर्वोच्च न्यायालय समिति:** एस. वारदाचारियार
- **मौलिक अधिकार, अल्पसंख्यक एवं जनजातीय परामर्श समिति:** सरदार वल्लभभाई पटेल
- **प्रत्यक्ष समिति (Credentials Committee):** अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर)
- **वित्त व स्टाफ समिति:** डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- **ऑर्डर ऑफ बिजनेस समिति:** केएम मुंशी
- **सदन समिति:** पट्टाभि सीतारमेश्या
- **भाषा समिति:** एम. सत्यनारायण
- **कार्य समिति:** जी.वी. मावलंकर
- **मौलिक अधिकार उपसमिति:** जे.बी. कृपलानी
- **अल्पसंख्यक उपसमिति:** एच.सी. मुखर्जी
- **उत्तर-पूर्व सीमांत जनजातीय क्षेत्र और असम बहिष्कृत और आंशिक रूप से निकाले गये क्षेत्र संबंधी उपसमिति: गोपीनाथ बारदोली**
- **बहिष्कृत एवं आंशिक रूप से बहिष्कृत क्षेत्र (असम के अलावा अन्य) उपसमिति:** ए.बी. ठक्कर

किंतु NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- संविधान के विस्तृत होने के दो कारण कौन-से हैं? - संघ एवं राज्यों का एक ही संविधान होना, एकीकृत न्यायपालिका एवं एकीकृत प्रशासनिक व्यवस्था
- भारतीय संविधान का लगभग कितना प्रतिशत भाग भारत शासन अधिनियम, 1935 से लिया गया है? - 75 प्रतिशत
- भारतीय संविधान सबसे अधिक किस संविधान से प्रभावित है? - ब्रिटिश संविधान में
- भारतीय संघीय व्यवस्था को किस प्रकार की व्यवस्था में शामिल करना ज्यादा समीचीन होगा? - सहयोगी संघीय व्यवस्था
- भारतीय संविधान में 'राज्यों का संघ' की संकल्पना को किससे प्राप्त किया गया है? - ब्रिटिश उत्तरी अमेरिका अधिनियम (ब्रिटिश उत्तरी अमेरिका अधिनियम को यूनाइटेड किंगडम की संसद में पारित किया गया, जिसके द्वारा 1867 में उत्तरी अमेरिका में तीन ब्रिटिश उपनिवेश- नोवा स्कॉटिया, न्यू ब्रॅंस्विक और कनाडा - को एक डोमिनियन के नाम से एकजुट किया गया था।)
- किसने भारतीय संघीय व्यवस्था को सहयोगी संघीय व्यवस्था के नाम से संबोधित किया है? - ग्रेनविल ऑस्टिन
- संविधान सभा में यह किसने कहा था कि सरकारी नीति के निरेशक सिद्धांत "किसी बैंक में देय उस चेक की तरह है, जिसका भुगतान बैंक अपनी सुविधानुसार करता है"? - के.टी. शाह
- यह किसने कहा है कि "हमारे संविधान में संसदीय सम्प्रभुता और न्यायिक पुनर्विलोकन के उपबंधों वाले लिखित संविधान के बीच जो समन्वय किया है, वह हमारे संविधान के रचयिताओं की अनूठी उपलब्धि है"? - डी.डी. बसु
- किसके अनुसार "जो संविधान, संविधान सभा ने निर्माण किया है, वह शरीर से संघात्म है किंतु आत्मा से एकात्मक"? - पी.टी. चाको
- किस रियासत की जनता में नवाब से विद्रोह कर भारत में विलय की घोषणा कर दी, तो नवाब पाकिस्तान भाग गया? - जूनागढ़
- भारतीय संविधान संसदीय प्रणाली कहां से ली गयी है? - ब्रिटेन से
- भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्य कहां से लिये गये हैं? - पूर्व सोवियत संघ से
- 22 जुलाई, 1947 को तिरंगा को राष्ट्रीय ध्वज अपनाया गया। राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रीय गान को कब अपनाया गया? - 24 जनवरी, 1950 को
- मई 1949 में किस विश्व संगठन में भारत की सदस्यता का अनुमोदन किया गया? - राष्ट्रमंडल
- विभाजन के बाद जवाहरलाल नेहरू स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री एवं लॉर्ड माउंटबेटन प्रथम गवर्नर जनरल बने। पाकिस्तान का प्रधानमंत्री लियाकत अली को बनाया गया। पाकिस्तान का पहला गवर्नर जनरल कौन था? - मुहम्मद अली जिना
- ब्रिटिश भारत के अंतिम वायसराय और स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल कौन थे? - लॉर्ड माउंटबेटन
- एकमात्र भारतीय और स्वतंत्र भारत के अंतिम गवर्नर जनरल कौन थे? - सी. राजगोपालाचारी
- भारतीय संविधान की प्रकृति क्या है? - प्रकृति में संघीय किंतु भावना में एकात्मक

संविधान सभा द्वारा किये गये अन्य कार्य

संविधान के निर्माण और आम कानूनों को लागू करने के अलावा संविधान सभा द्वारा निम्न कार्य भी किये गये-

- राष्ट्रमंडल में भारत की सदस्यता का सन्यापन: मई 1949
- राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया: 22 जुलाई, 1947
- राष्ट्रीय गान को अपनाया: 24 जनवरी, 1950
- राष्ट्रीय गीत को अपनाया: 24 जनवरी, 1950
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में चुनाव: 24 जनवरी, 1950

संविधान सभा के प्रमुख सदस्य

- कांग्रेस के प्रमिन्द्र नेता: पं. जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, माँलाना आजाद, सी. राजगोपालाचारी, पं. गोविंद वल्लभ पंत, बालगोविंद खेर, राजविं पुरुषोत्तम दास टंडन, के.एम. मुंशी, आचार्य जंबी कृपलानी और टीटी कृष्णामाचारी।
- कांग्रेस के अतिरिक्त अन्य दलों में सम्बद्ध प्रमुख व्यक्ति: डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी, पं. हृदयनाथ कुंजरू, एम. गोपालास्वामी आयंगर, डॉ. जयकर, टेकचन्द बख्शी, सर अल्लादि कृष्णा स्वामी अव्यर, प्रो. केटी शाह और डॉ. भीमराव अम्बेडकर, गोपीनाथ बारदोलोई।
- महिला सदस्यों में प्रमुख: श्रीमती सरोजिनी नायडू, श्रीमती हंसा मेहता, राजकुमारी अमृत कौर, श्रीमती दुर्गाबाई देशमुख।
- संविधान सभा की सदस्यता अस्वीकार करने वाले व्यक्तियों में तेज बहादुर सपू (स्वास्थ्य के आधार पर) एवं जयप्रकाश नारायण थे। महात्मा गांधी ने भी संविधान सभा से बाहर रहना ही उचित समझा था।
- संविधान सभा में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का निर्वाचन पश्चिम बंगाल से हुआ था, जहां मुस्लिम लीग सत्ता में थी।

3

संविधान की प्रस्तावना/उद्देशिका

संविधान सभा में पौडित जवाहरलाल नेहरू ने 13 दिसंबर, 1946 को 'उद्देश्य प्रस्ताव' प्रस्तुत किया, जो बाद में जाकर भारतीय संविधान का प्रस्तावना बना। संविधान सभा में इसको कब पारित किया गया?

- 22 जनवरी, 1947 को

भारतीय संविधान के किस भाग को 'संविधान की कुंजी' तथा 'संविधान की आत्मा' कहा गया है?

- प्रस्तावना को

भारतीय संविधान की प्रस्तावना को किसने 'आत्मा' के नाम से संबोधित किया था?

- डॉ. ठाकुर प्रसाद भार्गव ने

भारतीय संविधान के किस भाग में इसके लागू होने की तिथि अर्थात् 26 नवंबर, 1949 का उल्लेख किया गया है?

- प्रस्तावना में

भारतीय संविधान के निर्माताओं के मन तथा आदर्शों की झलक मिलती है? - प्रस्तावना

प्रस्तावना का वह प्रावधान, जो सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार प्रदान करता है, क्या कहलाता है?

- प्रजातंत्र

प्रस्तावना में उल्लिखित शब्दावली 'हम भारत के लोग' (We the People) किस संविधान का अनुसरण करता है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान का

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय को कहाँ से लिया गया है?

- 1917 की रूसी क्रांति से

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने किस अधिवेशन में 'समाजवाद' के अर्थ को स्पष्ट किया था?

- 1955 के आवाड़ी अधिवेशन में

भारतीय संविधान के प्रस्तावना के क्या उद्देश्य हैं? - स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता संविधान में किसी उपबंध की अस्पष्टता होने पर भारतीय न्यायालय किसका सहारा लेते हैं?

- प्रस्तावना का

क्या प्रस्तावना को न्यायालय में 'वैधानिक प्रस्थिति' (Legal Status) प्राप्त है? - नहीं

सर्वोच्च न्यायालय ने किस मामले में यह निर्णय दिया कि संविधान की प्रस्तावना को न्यायालय में प्रवर्तित नहीं किया जा सकता?

- यूनियन इंडिया बनाम मदन गोपाल वाद (1954) में

किस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहा था कि जहाँ पर संविधान की भाषा संदिग्ध होती है, वहाँ प्रस्तावना संविधान के विधिक निर्वचन में सहायक होती है?

- बेरुबाड़ी यूनियन का मामला

किस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह अभिनिर्णित किया था कि प्रस्तावना को भारतीय संविधान का अंग नहीं माना जा सकता? - बेरुबाड़ी यूनियन का मामला (1960) में

सर्वोच्च न्यायालय ने किस मामले में समाजवाद की व्याख्या करते हुए कहा था कि भारतीय समाजवाद मार्क्सवाद और समाजवाद का मिश्रण है? - नकरा बनाम भारत संघ में

किसने समाजवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा था कि हमारा उद्देश्य ऐसी योजना का निर्माण करना है, जो समाज के 'समाजवादी संरचना पर आधारित हो' न कि समाजवाद पर?

- जवाहरलाल नेहरू ने

भारतीय संविधान की प्रस्तावना को केवल एक बार 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संशोधित किया गया। इस संशोधन द्वारा इसमें जोड़े गये सब्द कौन-से थे?

- समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और अखंडता

किस मामले में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने पंथ निरपेक्षता को संविधान का आधारभूत ढांचा घोषित किया था?

- बोम्बई बनाम भारत संघ (1994) में

संविधान की प्रस्तावना में अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन किया जा सकता है या नहीं, यह प्रश्न सबसे पहले किस मामले में उठा?

- केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य वाद, 1973

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता,

प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए इड़ संकल्प होकर

अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

हम भारत के लोग

ये शब्द भारतीय संविधान के स्रोत को दर्शाते हैं एवं इससे तीन बातें स्पष्ट होती हैं। पहला, संविधान के द्वारा अंतिम प्रभुसत्ता भारतीय जनता में निहित की गयी है। दूसरा, संविधान निर्माता भारतीय जनता के प्रतिनिधि थे। तीसरा, संविधान भारतीय जनता की इच्छा का परिणाम है और भारतीय जनता ने ही इसे राष्ट्र को समर्पित किया है। किसी भी बाहरी शक्ति द्वारा यह संविधान हमें नहीं सौंपा गया है।

सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न

इसका आशय यह है कि भारत आंतरिक तथा बाह्य मामलों में पूर्णतः स्वतंत्र है। किसी भी विदेशी शक्ति या आंतरिक शक्ति को इसके आंतरिक या बाह्य मामलों में हस्तक्षेप का अधिकार प्राप्त नहीं है। संथेटिक एंड केमिकल्स लिमिटेड बनाम उप्र राज्य, 1989 के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई भी राष्ट्र का अपना संविधान तब तक नहीं हो सकता है जब तक कि वह संप्रभु न हो।

किंवित NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- किसने संविधान को राजनीतिक व्यवस्था में शक्ति संबंधों की आत्मकथा कहा है?
 - हरमन फाइनर ने
- किस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया कि 'प्रस्तावना संविधान का अंग है'?
 - केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य वाद, 1973

(नोट: प्रस्तावना न तो विधायिका की शक्ति का स्रोत है और न ही उसकी शक्तियों पर प्रतिबंध लगाती है। इसकी व्यवस्थाओं को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।)

- प्रस्तावना को संविधान का अंग माना जाता है। किंतु अब प्रस्तावना में अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन किया जा सकता है। इसका अभिनिर्धारण किस मामले में किया गया था?
 - केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य, 1973
- किस मामले में कहा गया है कि प्रस्तावना संविधान की विशेषताओं का निचोड़ है अथवा संविधान प्रस्तावना में निर्धारित संकल्पनाओं का परिवर्द्धित मूर्त रूप है?
 - सन्जन सिंह बनाम राजस्थान मामला

प्रस्तावना के संबंध में विभिन्न विचार

- "प्रस्तावना में राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र को समानता और बंधुत्व के साथ जोड़कर स्थापित करने का जो प्रयत्न किया गया है, वह मेरे स्वप्नों के भारत का वर्णन करता है।" - महात्मा गांधी
- "भारत के संविधान की प्रस्तावना में इस पुस्तक के समस्त तर्क संक्षेप में समाहित हैं और वह इस पुस्तक की कुंजी के रूप में कार्य कर सकती है।" - एर्नेस्ट बार्का, अपनी पुस्तक 'सोशल एण्ड पॉलिटिकल थ्योरी' में
- "प्रस्तावना को संविधान की आत्मा कहा है।" - सुभाष कश्यप
- "हमारे संविधान की आत्मा (प्रस्तावना) में मनुष्य की सभ्यता के आधुनिक विकासक्रम का हृदय स्पन्दन है। उसकी अंतरात्मा न्याय, समानता, अधिकार एवं बंधुत्व के भाव से अभिसिञ्चित है।" - डॉ. लक्ष्मीमल सिंघवी
- "प्रस्तावना भारत के संविधान की अभिन्न अंग है।" - भारतीय जीवन बीमा निगम एवं अन्य बनाम कन्नूमर एन्जिनेन और रिसर्च एवं अन्य, 1995
- "प्रस्तावना, संविधान का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसे संविधान के प्रावधानों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत माना जाना चाहिए।" - सुप्रीम कोर्ट, बेरुद्धी यूनियन केस, 1960 के मामले में
- "प्रस्तावना, संविधान का हिस्सा है, जिसका अर्थ यह है कि इसे संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन किया जा सकता है। हालांकि ऐसे संशोधन से संविधान का मूलभूत ढांचा बदला नहीं जा सकता है।" - सुप्रीम कोर्ट, केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य, 1973 के मामले में
- "प्रभुत्व-संपन्न का मतलब है कि राज्य के पास संविधान द्वारा दिये गये प्रतिबंधों के भीतर सब कुछ करने की स्वतंत्रता है।... कोई भी राष्ट्र का अपना संविधान तब तक नहीं हो सकता है जब तक कि वह संप्रभु न हो।" - सुप्रीम कोर्ट, सिंथेटिक एंड केमिकल्स लिमिटेड बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, 1989 के मामले में
- "समाजवाद के तहत राष्ट्र, संविधान में मौजूद मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति निदेशक तत्वों के आपसी समन्वय के द्वारा अपने लोगों को सामाजिक-आर्थिक न्याय दिलाने का प्रयास करता है।" - सुप्रीम कोर्ट, मिनर्वा मिल्स लिमिटेड एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य, 1980 के मामले में
- "पंथनिरपेक्षता संविधान की मूल विशेषता है।" - सुप्रीम कोर्ट, एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ, 1994 के मामले में
- "हमारे संविधान में, लोकतंत्रात्मक गणराज्य का अर्थ है, 'लोगों की शक्तियाँ।' इसका संबंध, लोगों द्वारा शक्ति के वास्तविक, सक्रिय और प्रभावी अभ्यास से है।" - सुप्रीम कोर्ट, आर. सी. पौड़याल बनाम भारत संघ, 1993 के मामले में
- "भारतीय संविधान की प्रस्तावना को हमारे संप्रभु, प्रजातांत्रिक गणतंत्र की जन्म कुंडली है।" - के.एम. मुंशी

समाजवादी

42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा 'समाजवादी' शब्द को जोड़ा गया। इसको एक ऐसे आर्थिक दर्शन के रूप में समझा जा सकता है जहां उत्पादन और वितरण के साधन राज्य के स्वामित्व में होते हैं। हालांकि, भारत ने मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया है, जहां राज्य के अलावा, निजी क्षेत्रों के लोगों द्वारा उत्पादन का कार्य किया जा सकता है।

पंथनिरपेक्ष

'पंथनिरपेक्ष' शब्द को भी 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा संविधान की उद्देशिका में शामिल किया गया। पंथनिरपेक्षता का अर्थ धर्म के आधार पर भेदभाव का अभाव है तथा जहां सभी धर्मों को समान भाव से देखा जाये, वही पंथनिरपेक्षता है। अर्थात् राज्य का अपना कोई धर्म नहीं होगा और सभी धर्म उसके लिए समान होंगे एवं राज्य धार्मिक मामले में तटस्थ रहेगा।

लोकतंत्रात्मक गणराज्य

लोकतंत्रात्मक गणराज्य से अभिप्राय मोटे तौर पर उस राज्य से होता है, जिसमें एक निर्वाचित अध्यक्ष तथा जनप्रतिनिधियों की सरकार हो। भारत में संसदीय सरकार की स्थापना करके तथा निर्वाचित राष्ट्रपति (आनुवंशिकता के आधार पर नहीं) को राज्य का प्रमुख बनाकर प्रस्तावना के 'लोकतंत्रात्मक गणराज्य' को सार्थक बनाया गया है।

न्याय

प्रस्तावना में इन शब्दों के आधार पर संविधान के लक्ष्य का निर्धारण किया गया है। सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय के इन तत्वों को रूसी क्राति (1917) से लिया गया है।

व्यक्ति की गरिमा

संविधान में व्यक्ति के गरिमा के संबंध में महत्वपूर्ण उपाय किये गये हैं। अनुच्छेद 17 में दिये गये मौलिक अधिकार का उद्देश्य अस्पृश्यता के आचरण का अंत करना है, क्योंकि यह मनुष्य की गरिमा के विरुद्ध है। इसके अलावा अनुच्छेद 32 में ऐसा उपबंध किया गया है कि कोई व्यक्ति अपने मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन तथा अपनी व्यक्तिगत गरिमा की रक्षा के लिए सीधे सर्वोच्च न्यायालय के पास भी जा सकता है।

4

संघ और उसका राज्य क्षेत्र

■ 27 जून, 1947 को देशी रियासतों की समस्या के समाधान के लिए भारत सरकार के तहत एक राज्य विभाग (State Department) खोला गया। इसका प्रभारी किसको बनाया गया?

- सरदार वल्लभभाई पटेल

■ सरदार वल्लभभाई पटेल ने 5 जुलाई, 1947 को देशी नरेशों से अपील की कि वे अपनी विदेश नीति, यातायात एवं सुरक्षा संबंधी विषय भारत सरकार को सौंप दें। इस अपील का समर्थन किसने किया?

- लॉर्ड माउंटबेटन

■ किस अधिनियम में यह प्रावधान किया गया था कि सप्राट और देशी रियासतों के बीच हुए समझौते उस अधिनियम के प्रवर्तन पर स्वतः निरस्त हो जायेंगे?

- स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

■ स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत में देशी रियासतों की कुल संख्या 542 थी, जिनमें से 539 रियासतों ने स्वेच्छा से देशी राज्य विलयपत्र (Instrument of Accession) पर हस्ताक्षर कर भारतीय संघ में विलयन के लिए स्वीकृति दे दी। शेष किन तीन रियासतों ने विलयनपत्र पर हस्ताक्षर नहीं किया? - हैदराबाद, जूनागढ़ और कश्मीर

■ काठियावाड़ के तट पर स्थित जूनागढ़ रियासत के नवाब ने पाकिस्तान के साथ मिलने की घोषणा कर दी, जिसका वहां की जनता ने विरोध किया। फलतः सरकार ने सैनिक कार्रवाई की। इसके बाद वहां का नवाब पाकिस्तान भाग गया। उस समय जूनागढ़ का नवाब कौन था?

- नवाब मुहम्मद महाबत खानजी तृतीय

■ कश्मीर के किस महाराजा ने पाकिस्तानी पठानों (कबाइलियों) के आक्रमण के बाद अक्टूबर 1947 में भारत के साथ 'विलय संधि' पर हस्ताक्षर किये? - हरि सिंह

■ हैदराबाद में रजाकारों ने आतंक का वातावरण पैदा कर दिया, जिसके दबाव में आकर वहां के निजाम ने स्वतंत्र रहने का फैसला किया। लेकिन सरदार पटेल ने 13 सितंबर, 1948 को सैन्य कार्रवाई कर हैदराबाद के नवाब को भारत में विलय स्वीकारने हेतु बाध्य कर दिया। यह कार्रवाई किस ऑपरेशन के तहत किया गया?

- ऑपरेशन पोलो

■ हैदराबाद के निजाम मीर ओसमान अली खान ने सबसे अंत में समर्पण किया और भारत में सम्मिलित होना स्वीकार किया। यह घटना किस दिन घटी? - 18 सितंबर, 1948 को

■ भारतीय संविधान में भारत को किस प्रकार वर्णित किया गया है?

- राज्यों का संघ (Union of the States)

('भारत के संघ' में भारत के राज्यों एवं संघशासित प्रदेशों को शामिल किया जाता है।)

■ भारत में नये राज्यों के निर्माण के लिए संविधान संशोधन की जरूरत होती है?

- नहीं, क्योंकि संसद यह कार्य साधारण बहुमत से करती है

■ संविधान के अनुच्छेद 1 के अनुसार, भारत राज्यों का संघ होगा। राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों के नाम और उनके क्षेत्रों का उल्लेख कहां किया गया है?

- संविधान की प्रथम अनुसूची में

■ भारत के अंतर्गत स्थित रियासतों को भारत में विलय करने के लिए कौन उत्तरदायी है?

- सरदार वल्लभभाई पटेल

■ संसद को यह प्राधिकार है कि वह ऐसे निर्वधनों तथा शर्तों के साथ जो उचित समझे 'नये राज्यों के प्रवेश की अनुमति दे सकेंगी' का उल्लेख है? - अनुच्छेद 1 में संविधान के अनुच्छेद 1 के मुताबिक भारत अर्थात इंडिया राज्यों का संघ होगा। राज्यों तथा संघशासित प्रदेशों के नाम और प्रत्येक के तहत आने वाले राज्य क्षेत्रों का उल्लेख कहां किया गया है?

- संविधान की प्रथम अनुसूची में

भाग-1: संघ और उसका राज्य क्षेत्र (अनुच्छेद 1-4)

- **अनुच्छेद 1:** संघ का नाम और राज्य क्षेत्र।
- **अनुच्छेद 2:** नये राज्यों का प्रवेश या स्थापना।
- **अनुच्छेद 2क:** सिविकम को संघ के साथ जोड़ा जाये (निरसित) (Repealed)।
- **अनुच्छेद 3:** नये राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन।
- **अनुच्छेद 4:** पहली अनुसूची और चौथी अनुसूची के संशोधन तथा अनुपूरक, आनुषंगिक और पारिणामिक विषयों का उपवंध करने के लिए अनुच्छेद 2 और अनुच्छेद 3 के अधीन बनायी गयी विधियां।

राज्यों तथा राज्यक्षेत्रों की श्रेणियां

मूल संविधान में संविधान सभा द्वारा अंगीकृत प्रथम अनुसूची में राज्यों तथा राज्यक्षेत्रों की चार श्रेणियों का उल्लेख किया गया था। दूसरे शब्दों में, ब्रिटिश प्रांतों और देशी रियासतों का एकीकरण करके भारत में चार प्रकार के राज्यों का गठन किया गया। ये श्रेणियां निम्नलिखित हैं-

- '**क'** (A) श्रेणी के राज्य: ब्रिटिश भारत के प्रांतों के साथ 216 देशी रियासतों को सम्मिलित करके 'ए' श्रेणी के राज्यों का गठन किया गया। ये राज्य थे- असम, बिहार, बंबई, मध्य प्रदेश, मद्रास, ओडीशा, पंजाब, संयुक्त प्रांत, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश। इनकी संख्या 10 थी।
- '**ख'** (B) श्रेणी के राज्य: 275 देशी रियासतों की नयी प्रशासनिक इकाई में गठित करके 'बी' राज्य की श्रेणी प्रदान की गयी। ये राज्य थे- हैदराबाद, जम्मू-कश्मीर, मध्य भारत, मैसूर, पेस्तू (पटियाला और पूर्वी पंजाब के राज्यों का संघ), राजस्थान, सौराष्ट्र तथा त्रावणकोर-कोचीन। इनकी संख्या 8 थी।

किंतु NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत संसद को विधि द्वारा ऐसे निर्बधनों और शर्तों पर, जो वह ठीक समझे, संघ में नये राज्यों के प्रवेश या उनकी स्थापना का अधिकार प्राप्त है? - **अनुच्छेद 2 के तहत**
- किस अनुच्छेद के तहत संसद विधि द्वारा किसी राज्य में से उसका क्षेत्र अलग करके अथवा दो या दो से अधिक राज्यों को या राज्यों के भागों को मिलाकर नये राज्य का निर्माण कर सकती है? - **अनुच्छेद 3 में**
- किसी नये राज्यों के निर्माण, क्षेत्रों सीमाओं तथा नामों में परिवर्तन वाले विधेयक पर किसकी पूर्व अनुमति की आवश्यकता होती है? - **राष्ट्रपति की**
- उक्त प्रयोजन से संबंधित विधेयक राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से पहले संबंधित राज्य विधानमंडल या विधानमंडलों के पास एक निश्चित समय के भीतर विचार करने के लिए भेजा जाता है। हालांकि राज्य की सहमति या असहमति का कोई प्रभाव विधेयक पर नहीं पड़ता और निश्चित समय सीमा के बाद विधेयक संसद द्वारा पारित होकर किसके पास हस्ताक्षर के लिए पहुंच जाता है? - **राष्ट्रपति के पास**
- मूल संविधान में संविधान सभा द्वारा अंगीकृत प्रथम अनुसूची में राज्यों तथा राज्यक्षेत्रों की कितनी श्रेणियों का उल्लेख किया गया था? - **चार श्रेणियों का**
- भूतपूर्व ब्रिटिश भारत के प्रांतों का उल्लेख किस श्रेणी में था? - **भाग 'क' में**
- राज्यों तथा राज्य क्षेत्रों की चार श्रेणियों में से भाग 'घ' में केवल एक केंद्रशासित प्रदेश का उल्लेख किया गया था। यह प्रदेश कौन-सा है? - **अंडमान व निकोबार का**
- संसद विशेष बहुमत से संविधान में संशोधन करके भारत के किसी क्षेत्र को दूसरे राज्यों (देशों) को दे सकती है। इसलिए बेरुवाड़ी राज्य के क्षेत्र के भाग को पाकिस्तान को अंतरित करने के लिए कौन-सा संविधान संशोधन पारित किया गया था? - **9वां**
- किस संविधान संशोधन अधिनियम के अधीन राज्यों के पुनर्गठन ने भाग 'क' और भाग 'ख' के राज्यों का अंतर समाप्त कर दिया? - **7वां संविधान संशोधन, 1956** द्वारा
- किस मामले से नौवीं अनुसूची में सम्मिलित अधिनियमों पर इस आधार पर आक्षेप किया जा सकता है कि वे संविधान की आधारिक संरचना को क्षति पहुंचाते हैं? - **केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य**
- भारतीय संघ में किसी राज्य को सम्मिलित करने का अधिकार किसे है? - **संसद को**
- राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन कब किया गया था? - **1953 में**
- भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किस वर्ष किया गया था? - **1956 में**
- आंध्र प्रदेश राज्य अधिनियम, 1953 के तहत किस राज्य के कुछ क्षेत्रों को निकालकर आंध्र प्रदेश का गठन किया गया? - **मद्रास (तमिलनाडु)**
- स्वतंत्र भारत में भाषा के आधार पर गठित पहला राज्य कौन था? - **आंध्र प्रदेश**
- 1956 में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष कौन थे? - **फजल अली**
(नोट: फजल अली आयोग के दो अन्य सदस्य थे- हृदयनाथ कुंजरू और केएम पणिकर)
- फजल अली आयोग ने ए, बी और सी तीन वर्गों में विभाजित राज्यों को समाप्त कर उनके स्थान पर 16 राज्यों तथा 3 संघ राज्य क्षेत्रों के गठन की सिफारिश की थी। लेकिन संसद में पारित राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 कितने राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया? - **14 राज्य और 5 संघ राज्य क्षेत्र**
- राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 द्वारा भारत के विभिन्न राज्यों की सीमाओं में स्थानीय और भाषाई मांगों को पूरा करने के लिए परिवर्तन किये गये। इसके अतिरिक्त 1956 में त्रावणकोर और कोचीन क्षेत्र को मिलाकर कौन-सा एक नया राज्य बनाया गया? - **केरल**
- 7वां संशोधन अधिनियम, 1956 से मैसूरु राज्य अतःस्थापित किया गया। किस अधिनियम द्वारा उसका नाम परिवर्तित करके 'कनार्टक' कर दिया गया? - **मैसूरु राज्य (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 1973** द्वारा

- 'ग' (C) श्रेणी के राज्य: 61 देशों वियासतों को एकीकृत करके 'सो' राज्य की श्रेणी में रखा गया। ये राज्य थे- अजमर, बिलासपुर, भोपाल, दुर्ग, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, कच्छ, मणिपुर, त्रिपुरा और विध्यु प्रदेश। इनकी संख्या 10 थी।
- 'घ' (D) श्रेणी के राज्य: अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह को 'डी' राज्य की श्रेणी में रखा गया था।

नये राज्य और उनका गठन वर्ष

| | |
|----------------------|---|
| ● असम..... | 26 जनवरी, 1950 |
| ● विहार..... | 26 जनवरी, 1950 |
| ● आंडिशा..... | 26 जनवरी, 1950 |
| ● उत्तर प्रदेश..... | 26 जनवरी, 1950 |
| ● पश्चिम बंगाल..... | 26 जनवरी, 1950 |
| ● आंध्र प्रदेश..... | 1953 (राज्य का दर्जा 1956 में) |
| ● कर्नल | 1 नवंबर, 1956 |
| ● मैसूर..... | 1 नवंबर, 1956 (1973 में कर्नाटक नाम से पुनःनामकरण) |
| ● मध्य प्रदेश..... | 1 नवंबर, 1956 |
| ● राजस्थान..... | 1 नवंबर, 1956 |
| ● तमिलनाडु..... | 1 नवंबर, 1956 |
| ● गुजरात..... | 1 मई, 1960 |
| ● महाराष्ट्र..... | 1 मई, 1960 |
| ● नगालैंड | 1 दिसंबर, 1963 |
| ● हरियाणा | 1 नवंबर, 1966 |
| ● पंजाब..... | 1 नवंबर, 1966 |
| ● हिमाचल प्रदेश..... | 25 जनवरी, 1971 |
| ● मंधालय..... | 21 जनवरी, 1972 |
| ● मणिपुर..... | 21 जनवरी, 1972 |
| ● त्रिपुरा..... | 21 जनवरी, 1972 |
| ● सिक्किम..... | 16 मई, 1975 |
| ● अरुणाचल प्रदेश.... | 20 फरवरी, 1987 |
| ● मिजोरम..... | 20 फरवरी, 1987 |
| ● गोवा..... | 30 मई, 1987 |
| ● छत्तीसगढ़..... | 1 नवंबर, 2000 |
| ● उत्तराखण्ड..... | 9 नवंबर, 2000 |
| ● झारखण्ड..... | 15 नवंबर, 2000 |
| ● तेलंगाना..... | 2 जून, 2014 |

विभिन्न राज्य पुनर्गठन आयोग

- 1903: सर हर्बर्ट रिजले आयोग; बंगाल सरकार की भाषाई आधार पर बंगाल विभाजन का सुझाव।
- 1911: लॉर्ड हार्डिंग आयोग; बंगाल विभाजन को निरस्त करने की मांग।

मराठी एवं गुजराती भाषियों के बीच संघर्ष के कारण बंबई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 के द्वारा बंबई राज्य को किन दो राज्यों में विभाजित किया गया? - **गुजरात व महाराष्ट्र नगा आंदोलन** के कारण असम को विभाजित करके कब नगालैंड को अलग राज्य बनाया गया?

- 1 दिसंबर, 1963 को

13वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1962 द्वारा भारत सरकार और नगा पुपील्स कंबेंशन के बीच हुए एक समझौते के अनुसरण में नगालैंड राज्य के संबंध में विशेष उपबंध करने के लिए कौन-सा अनुच्छेद जोड़ा गया? - **अनुच्छेद 371(ए)**

1960 में किस क्षेत्र को पाकिस्तान को सौंपे जाने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह सलाह दी थी कि संविधान संशोधन किये बिना किसी विदेशी राज्य को भारत का कोई राज्य क्षेत्र नहीं सौंपा जा सकता? - **बेरुबाड़ी यूनियन (पश्चिम बंगाल)** को पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के अंतर्गत पंजाब राज्य को तीन भागों- पंजाब एवं हरियाणा को अलग राज्य के रूप में तथा चंडीगढ़ को केंद्रशासित प्रदेश के रूप में विभाजित किया गया। इन तीनों राज्यों की राजधानी किसे बनायी गयी? - **चंडीगढ़ को** मेघालय को असम पुनर्गठन अधिनियम, 1969 द्वारा किस राज्य के भीतर स्वशासी उपराज्य बनाया गया था? - **असम राज्य के भीतर**

असम अधिनियम, 1951 के तहत भारतीय राज्य क्षेत्र से एक पट्टी किस देश को देकर असम की सीमा में बदलाव किया गया? - **भूटान**

पूर्वोत्तर क्षेत्र पुनर्गठन अधिनियम, 1971 द्वारा 21 जनवरी, 1972 को मणिपुर, त्रिपुरा और मेघालय पूर्ण राज्य बनाये गये तथा मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश को किस सूची में रखा गया? - **केंद्रशासित प्रदेश की सूची में**

किस अधिनियम से हिमाचल और बिलासपुर राज्यों का विलय करके हिमाचल प्रदेश नामक केंद्रशासित प्रदेश का गठन किया गया, जिसे 1970 में राज्य का दर्जा प्रदान किया गया? - **हिमाचल प्रदेश-बिलासपुर अधिनियम, 1954** से

हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम द्वारा किस वर्ष केंद्रशासित प्रदेश हिमाचल को राज्य का दर्जा प्रदान किया गया? - **वर्ष 1971 में**

किस संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा सिक्किम को सहराज्य (एसोसिएट राज्य) का दर्जा दिया गया था? - **35वें संविधान संशोधन, 1974**

36वें संशोधन अधिनियम, 1975 के तहत 22वें राज्य के रूप में सिक्किम को कब पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया? - **16 मई, 1975 को**

किस संविधान संशोधन द्वारा 20 फरवरी, 1987 को मिजोरम को भारत के 23वें राज्य के रूप में एवं अरुणाचल प्रदेश को 24वें राज्य के रूप में मान्यता प्रदान की गयी? - **क्रमशः 53वें एवं 55वें संविधान संशोधन द्वारा**

भारत की आजादी के समय पांडिचेरी, कराईकल, यानम, चंद्रनगर और माहे में फ्रांसीसी बस्तियां रह गयी थीं। इनमें से किस क्षेत्र में जून 1949 में हुए जनमत संग्रह में भारत के पक्ष में मत दिया गया और उसके बाद मई 1950 में उसका प्रशासन भारत ने अपने अंदर ले लिया? - **चंद्रनगर**

पांडिचेरी, कराईकल और माहे की जनता ने कब भारत में विलय का निर्णय लिया? - **अक्टूबर 1954**

भारत और फ्रांस के बीच 28 मई, 1956 को एक संधि हुई, जिसके अनुसार सभी फ्रांसीसी क्षेत्रों पर भारत का अधिकार मान लिया गया। पांडिचेरी, कराईकल, माहे और यानम को कब से केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के रूप में प्रशासित किया गया? - **1 जुलाई, 1963 को**

किस संशोधन अधिनियम के द्वारा पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेश के रूप में प्रथम अनुसूची में जोड़ा गया? - **14वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1962**

- 1918: माटेग्यू चेम्सफोर्ड रिपोर्ट; राज्यों के गठन के भाषाई एवं जातीय आधार को अस्वीकार किया।
- 1928: मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट; राज्यों के पुनर्गठन के लिए जनसंघ्या, भौगोलिक आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति, भाषा एवं जनता की इच्छा को आधार माना।
- 1930: भारतीय सांविधिक आयोग; जाति, धर्म, आर्थिक हित, भौगोलिक एकत्रूपता, गांव-शहर में संतुलन आदि में किसी भी एक मुद्दे को नहीं अपितु कई अन्य मामलों को गठन का आधार स्वीकारा।
- 1936: संवैधानिक सुधार समिति; इसकी अनुशंसा पर सांत्रियिक आधार पर सिंध प्रांत का गठन।
- 1948: धर आयोग; भाषाई आधार के बजाय ऐतिहासिक, भौगोलिक, प्रशासनिक, सांस्कृतिक और आर्थिक आधार को पुनर्गठन का आधार माना।
- 1948: जे.बी.पी. आयोग; आर्थिक, वित्तीय, प्रशासनिक एवं जनेच्छा के आधार को अस्वीकार नहीं किया, किंतु भाषा को भी एक आधार के रूप में स्वीकारा।
- 1955: फजल अली आयोग; इसकी अनुशंसा को परिवर्तनों के साथ स्वीकार कर राज्य पुनर्गठन अधिनियम पारित किया गया।

धर आयोग

भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के मुद्दे पर अध्ययन के लिए संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने नवंबर 1947 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संवानिवृत्त न्यायाधीश एसके धर की अध्यक्षता में एक चार सदस्यीय भाषाई प्रांत आयोग का गठन किया। इस आयोग ने 10 दिसंबर, 1948 को अपनी रिपोर्ट संविधान सभा को सौंपी। इसमें आयोग ने यह सिफारिश की कि राज्यों का पुनर्गठन भाषाई कारक के बजाय प्रशासनिक सुविधा के अनुसार होना चाहिए। इन सिफारिशों का व्यापक स्तर पर विरोध किया गया।

जेबीपी समिति

धर आयोग के निर्णयों की परीक्षा करने और भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के मामले पर विचार करने के लिए कांग्रेस ने जयपुर अधिवेशन, 1948 में तीन सदस्यीय

किंतु NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- 14वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1962 द्वारा किन केंद्रशासित प्रदेशों के लिए संसदीय विधि द्वारा विधानसभाओं का गठन किया गया?

 - हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, ब्रिटिश, गोवा, दमन व दीव और पुडुचेरी

- जनता द्वारा 1954 में दादरा और नगर हवेली को मुक्त करने तक उस पर किसका शासन था?
- 1954 से 1961 तक दादरा और नगर हवेली लगभग स्वतंत्र रूप से काम करता रहा, जिसे 'दादरा एवं नगर हवेली प्रशासन' ने चलाया। भारत सरकार ने कब संघ कारबाह द्वारा इसको भारतीय संघ में मिला लिया और तब से भारत सरकार केंद्रशासित प्रदेश के रूप में इसका प्रशासन चला रहा है? - दिसंबर 1961
- 10वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1961 के तहत दादरा और नगर हवेली के क्षेत्र को केंद्रशासित प्रदेश के रूप में शामिल करने और राष्ट्रपति की अधिनियम बनाने की शक्तियों के तहत उसमें प्रशासन की व्यवस्था करने के लिए किस अनुच्छेद और अनुसूची को संशोधित किया गया?

 - अनुच्छेद 240 और प्रथम अनुसूची

- दमन और दीव तथा गोवा देश की आजादी के बाद भी पुतंगाल के अधीन रहे। इन तीनों को कब भारत का अधिनियम हिस्सा बनाया गया और केंद्रशासित प्रदेश का दर्जादिया गया?

 - 19 दिसंबर, 1961 को

- किस संविधान संशोधन द्वारा गोवा, दमन और दीव को प्रथम अनुसूची में शामिल करके अधिनियम अंग बना दिया गया?

 - 12वें मंविधान मंशोधन अधिनियम, 1962

- दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव विलय विधेयक, 2019 के तहत इन दोनों केंद्रशासित प्रदेशों को मिलाकर एक कर दिया गया है। नवा सम्मिलित केंद्रशासित प्रदेश कब से अस्तित्व में आ गया है?

 - 26 जनवरी, 2020 में

- किस संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा गोवा को पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान किया गया, किंतु दमन और दीव को केंद्रशासित प्रदेश हो रहने दिया गया?

 - 56वें मंविधान मंशोधन, 1987 द्वारा

- गोवा को कब पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान कर देश का 25वां बनाया गया?

 - 30 मई, 1987 को

- 26वें राज्य के रूप में 'छत्तीसगढ़' का गठन 1 नवंबर, 2000 को तथा 27वें राज्य के रूप में 'उत्तरांचल' का गठन 9 नवंबर, 2000 को किया गया। 28वें राज्य के रूप में 'झारखण्ड' का गठन कब किया गया?

 - 15 नवंबर, 2000 को

- केंद्रशासित प्रदेशों में से दिल्ली को अब क्या कहा जाता है?

 - राष्ट्रीय गजधारी क्षेत्र (National Capital Region)

- तेलंगाना को पृथक राज्य का दर्जा दिलाने के लिए 'जय तेलंगाना' आंदोलन की शुरुआत किस वर्ष हुई?

 - वर्ष 1969 में

- तेलंगाना आंदोलन को पुनर्जीवित करने के लिए के. चंद्रशेखर राव ने 2001 में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) शुरू की। नवे राज्य की मांग को लेकर चंद्रशेखर राव ने आमरण अनशन कब किया?

 - अक्टूबर 2009 में

- केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश से पृथक कर तेलंगाना राज्य के गठन के मुद्दे पर विचार करने के लिए 3 फरवरी, 2010 को किस समिति का गठन किया? - श्रीकृष्ण मणिनि
- न्यायमूर्ति वी.एन. श्रीकृष्ण ने अपनी रिपोर्ट तत्कालीन गृहमंत्री को कब सौंपी, जिसमें उसने छह विकल्प सुझाये थे जिसमें एक विकल्प सीमांचल और तेलंगाना का बट्टवारा से संबंधित था?

 - 6 जनवरी, 2011 को

- आंध्र प्रदेश पुनर्गठन विधेयक, 2014 को लोकसभा ने 18 फरवरी, 2014 को तथा राज्यसभा ने 20 फरवरी, 2014 को पारित किया गया। इस विधेयक पर तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के हस्ताक्षर के बाद अधिनियम में परिवर्तित कब हुआ? - 1 मार्च, 2014 को
- आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत तेलंगाना को भारत का 29वां राज्य कब बनाया गया?

 - 2 जून, 2014 को

समिति गठित की। इसके तीनों सदस्यों जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल तथा पट्टायभि सोतारमेंव्या के नाम पर यह समिति जर्वीपी समिति के नाम से प्रभिष्ठ हुई। इस समिति ने राज्यों के पुनर्गठन के लिए भाषा के आधार को स्वीकार नहीं किया और यह सुझाव दिया कि सुरक्षा, एकता तथा राष्ट्र को सम्पन्नता को राज्यों के पुनर्गठन का आधार होना चाहिए। इसकी सिफारिशों को 1949 में कांग्रेस कांवंसमिति ने स्वीकार करलिया।

श्रीरामलु आंदोलन

जर्वीपी समिति की सिफारिशों का दक्षिण राज्यों विशेषकर तेलुगूभाषी क्षेत्रों में काफी विरोध हुआ। मद्रास राज्य के तेलुगूभाषियों ने पांदी श्रीरामलु के नेतृत्व में आंदोलन प्रारम्भ हुआ तथा भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन को जांग जार पकड़ने लगा। 56 दिन के आमरण अनशन के बाद 15 दिसंबर, 1952 को श्रीरामलु को मृत्यु हो गयी। इसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने 19 दिसंबर, 1952 को तेलुगूभाषियों के लिए पृथक आंध्र प्रदेश के गठन की घोषणा की और 01 अक्टूबर, 1953 को आंध्र प्रदेश राज्य का गठन हो गया, जो स्वतंत्र भारत में भाषा के आधार पर गठित पहला राज्य था।

फजल अली आयोग

तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की 22 दिसंबर, 1953 को संसद में की गयी एक घोषणा के बाद राज्यों के पुनर्गठन की समस्या पर गंभीरतापूर्वक तथा बिना किसी पक्षपात के विचार करने के उद्देश से फजल अली आयोग का गठन किया गया। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश फजल अली इस आयोग के अध्यक्ष नियुक्त किये गये तथा पं. हवदार नाथ कुंजरू और केम पणिकर को इसका सदस्य बनाया गया। आयोग ने 30 सितंबर, 1955 को केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसकी प्रमुख सिफारिशों निम्नवत हैं-

- इस आयोग ने भाषा के राज्यों के पुनर्गठन का आधार अवश्य माना। साथ ही यह जोड़ा कि केवल भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन नहीं होना चाहिए।

संघ और उसका राज्य क्षेत्र

- ई.एस.एल. नरसिंहन तेलंगाना राज्य के प्रथम राज्यपाल थे। इस नवनिर्मित राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री कौन है? - के. चंद्रशेखर गव
 - अधिभाजित आंध्र प्रदेश में जिलों की कुल संख्या 23 थी। इनमें से कितने जिले तेलंगाना में शामिल किये गये? - 10 जिले (तेलंगाना के 10 जिले हैं— अदीलाबाद, खम्मम, ग्रेटर हैदराबाद, मेदक, रांगरेडी, नालगोड़ा, महबूबनगर, वारंगल, करीमनगर और निजामाबाद)
 - विभाजन के बाद विधानसभा सीटों की कुल संख्या आंध्र प्रदेश में 175 और तेलंगाना में 119 निर्धारित की गयी। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लोकसभा सीटों की संख्या क्रमशः 25 और 17 है। इन राज्यों की राज्यसभा की सीटें कितनी निर्धारित हैं? - क्रमशः 11 और 7
 - 1 अगस्त, 2019 को एक संकल्प की घोषणा के साथ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया गया, जिस आदेश पर राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर भी किये। इस फैसले के साथ ही कौन-सा अनुच्छेद भी समाप्त हो गया? - अनुच्छेद 35ए
 - जम्मू-कश्मीर राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया गया। इनमें से किसमें विधानसभा होगी? - जम्मू-कश्मीर (लद्दाख में विधानसभा नहीं)
 - क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से भारत में सबसे बड़ा केंद्रशासित प्रदेश कौन है? - जम्मू-कश्मीर
 - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद भारत में वर्तमान में कितने राज्य और केंद्रशासित प्रदेश हैं? - 28 राज्य एवं 8 केंद्रशासित प्रदेश
 - दो नये केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख किस तिथि को विधिवत अस्तित्व में आये? - 31 अक्टूबर, 2019 को (सरदार पटेल की जयंती)
 - 2 नवंबर, 2019 को दोनों नये केंद्रशासित प्रदेशों का नक्शा जारी किया गया। नये नक्शों के मुताबिक, पाक अधिकृत कश्मीर के किन जिलों को भी जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बताया गया है? - मीरपुर और मुजफ्फराबाद जिले
 - जम्मू-कश्मीर में कुल 22 जिले तथा लद्दाख में मात्र 2 जिले (लेह और कारगिल) होंगे। क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा केंद्रशासित प्रदेश कौन-सा है? - लद्दाख
 - क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा जिला कौन-सा है? - लेह जिला (लद्दाख)
 - दोनों केंद्रशासित प्रदेशों के अस्तित्व में आने के बाद 31 अक्टूबर, 2019 को जीसी मुरू को जम्मू-कश्मीर का पहला लेफिटनेंट गवर्नर नियुक्त किया गया। लद्दाख का प्रथम लाइफ्टनेंट गवर्नर किसको बनाया गया? - आरके माथर
 - दोनों केंद्रशासित प्रदेशों में भारतीय दंड संहिता और क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की धाराएं लागू होंगी। नये जम्मू-कश्मीर में पुलिस व कानून-व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन होंगी। भूमि व्यवस्था की देखरेख का जिम्मा किसके पास होगा? - निर्वाचित सरकार
 - जम्मू-कश्मीर में सरकारी कामकाज की भाषा अब ऊर्दू के स्थान पर कौन-सी भाषा होगी? - हिंदी
 - केंद्रशासित प्रदेश बनने पर जम्मू-कश्मीर के प्रदेश स्तर पर बनाये गये 164 कानून समाप्त हो गये हैं और विधानसभा से पारित 166 कानूनों को यथावत रखा गया है। केंद्रशासित प्रदेश बनते ही जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में संसद की ओर से पारित कितने केंद्रीय कानून तत्काल प्रभाव से लागू हो गये हैं? - 106 कानून
 - जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की श्रीनगर और जम्मू पीठे मौजूदा व्यवस्था के तहत काम करेंगी। लद्दाख के मामलों की सुनवाई कौन करेगा? - जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय
 - केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विधानसभा का कार्यकाल पहले के 6 वर्ष के मुकाबले अब कितने वर्ष का होगा? - 5 वर्ष
- राज्यों का पुनर्गठन राष्ट्रीय सुरक्षा, वित्तीय एवं प्रशासनिक आवश्यकता तथा पंचवर्षीय योजनाओं की सफलता पर दृष्टि रखते हुए किया जाना चाहिए।
 - ए, बी और सी तीन वर्गों में विभाजित राज्यों को समाप्त कर दिया जाना चाहिए तथा इनके स्थान पर 16 राज्यों तथा 3 संघ राज्य क्षेत्रों में भारतीय संघ को विभाजित करना चाहिए।
- इस प्रकार आयोग ने राज्यों के पुनर्गठन में भारपूर आधार को प्रमुखता के साथ स्वीकार तो किया, किंतु इस धारणा को भी केवल में रखा कि किसी भी रूप में भारत की एकता के साथ समझौता नहीं होना चाहिए, इसलिए 'एक राज्य एक भाषा' के सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956

संसद ने फजल अली आयोग की सिफारिशों को कुछ परिवर्तनों के साथ स्वीकार कर जुलाई 1956 में 'राज्य पुनर्गठन अधिनियम' पारित किया। इस अधिनियम के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं—

- राजप्रमुखों के पद को समाप्त कर सभी राज्यों के लिए राज्यपाल पद की व्यवस्था की गयी।
- क, ख, ग और घ श्रेणी के राज्यों के मध्य विद्यमान अंतर को समाप्त कर दिया गया। अब गणराज्य की केवल दो इकाइयां रखी गयीं— राज्य तथा केन्द्रीय क्षेत्र।
- भारत में 14 राज्य और 5 केंद्रशासित प्रदेश स्थापित किये गये। **14 राज्य—** आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, बंबई, जम्मू-कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, मद्रास, मैसूर, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल।
- 5 केंद्रशासित प्रदेश—** दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा एवं अंडमान-निकोबार द्वीप समूह।

अधिनियम के तहत पंजाब और पैसू को मिलाकर एक राज्य बना दिया गया, किंतु हिमाचल प्रदेश को केन्द्रीय क्षेत्र बना दिया गया। बंबई राज्य का आकार बड़ा दिया गया। विदर्भ राज्य और हैदराबाद राज्य के मराठवाड़ा क्षेत्र को बंबई राज्य में मिला दिया गया। हैदराबाद राज्य के कुछ हिस्से को मैसूर राज्य में मिला दिया गया। बदले में तेलंगाना क्षेत्र को आंध्र प्रदेश में सम्मिलित

किंतु NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- नये जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 107 सदस्य हैं, जिनकी परिसीमन के बाद संख्या बढ़कर 114 तक हो जायेगी। विधायिका में पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लिए पहले की ही तरह कितनी सीटें रिक्त रखी गयी हैं? - 24 सीटें
- (जम्मू-कश्मीर में अब तक 87 सीटों पर चुनाव होते थे, जिनमें 4 लद्दाख का, 46 कश्मीर की ओर 37 जम्मू की सीटें थीं। लद्दाख की 4 सीटें हटाकर अब केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर में 83 सीटें बची हैं, जिनमें परिसीमन होना है। अनुमान है कि जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में सीटें बढ़कर 90 हो जायेंगी।)
- पहले जम्मू-कश्मीर कैबिनेट में 24 मंत्री बनाये जा सकते थे, अब दूसरे राज्यों की तरह कुल सदस्य संख्या के कितने प्रतिशत से ज्यादा मंत्री नहीं बनाए जा सकते? - 10 प्रतिशत
- केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर से 5 और केंद्रशासित लद्दाख से एक लोकसभा सांसद ही चुना जायेगा। जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा के 4 सांसद चुने जायेंगे। लद्दाख से राज्यसभा के कितने सदस्य चुने जायेंगे? - एक भी नहीं
- भारतीय संघीय व्यवस्था को किसने अर्द्धसंघीय व्यवस्था की संज्ञा दी है? - के.सी. हीयर ने
- ग्रेनविले ऑस्ट्रिन और ए.एच. बिर्च ने भारत के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है? - सहकारी संघवाद
- लोक प्रशासन के किस विद्वान ने कहा है, “भारत का संविधान अत्यंत परिसंघीय है”? - पॉल एच. एपलब्री
- भारतीय संघ में उन राज्यों का समावेश है, जो केंद्र के साथ संघीय शक्तियों में भागीदारी करते हैं। भारत विनाशी राज्यों का किस प्रकार का संघ है? - अविनाशी संघ

क्षेत्रीय परिषदें

- भारतीय संविधान में क्षेत्रीय परिषदों के संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया था, बाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के सुझाव पर इन परिषदों के गठन के संबंध में राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की किस धारा में प्रावधान किया गया? - धारा 15 में
- राज्यों और संघ के बीच परस्पर सहयोग एवं समन्वय द्वारा आर्थिक एवं सामाजिक विकास की गति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित क्षेत्रीय परिषदें किस प्रकार की संस्थाएं हैं? - एक संविधानेतर संस्था
- क्षेत्रीय परिषदों का गठन किसके द्वारा किया जाता है? - राष्ट्रपति
- क्षेत्रीय परिषदों के सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्री तथा दो अन्य मंत्री और संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक इसके सदस्य होते हैं। सभी क्षेत्रीय परिषदों का अध्यक्ष कौन होता है? - केंद्रीय गृहमंत्री या राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत कोई केंद्रीय मंत्री
- क्षेत्रीय परिषदों के उपाध्यक्ष प्रतिवर्ष बदलते रहते हैं। यह पद किसको प्राप्त होता है? - संवधित राज्यों का मुख्यमंत्री
- वर्तमान समय में भारत में पांच क्षेत्रीय परिषदें कार्यरत हैं- उत्तर, मध्य, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद। उत्तर क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय नयी दिल्ली में है। मध्य क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय कहां स्थित है? - इलाहाबाद
- दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय चंनई में और पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय मुम्बई में स्थित है। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय कहां स्थित है? - कोलकाता
- पूर्वोत्तर के आठ राज्य- असम, अरुणाचल प्रदेश, माणपुर, त्रिपुरा, मंजारम, मध्यालय, नगालैंड और सिक्किम क्षेत्रीय परिषदों में शामिल नहीं हैं। इसलिए इनके लिए पूर्वोत्तर परिषद का गठन किस अधिनियम के तहत किया गया? - पूर्वोत्तर परिषद अधिनियम, 1972
- पूर्वोत्तर परिषद में सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री सदस्य होते हैं। इसका अध्यक्ष कौन होता है? - केंद्रीय गृहमंत्री (उपाध्यक्ष, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री)
- पूर्वोत्तर परिषद पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आती है। इसका मुख्यालय कहां स्थित है? - शिलांग

कर दिया गया। आयोग की अनुशंसा के अनुसार मध्य प्रदेश और करेल दो राज्य बना दिये गये। भोपाल राज्य को मध्य प्रदेश में मिला दिया गया। इसी प्रकार केंद्रशासित अजमेर क्षेत्र को राजस्थान में मिला दिया गया।

भारत में क्षेत्रीय परिषदें

- पं. जवाहरलाल नेहरू के द्विटिकोण के संदर्भ में राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के भाग-3 के तहत पांच क्षेत्रीय परिषदें स्थापित की गयी थीं। ये परिषदें इस प्रकार हैं-
1. **उत्तर क्षेत्रीय परिषद:** जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान तथा चंडीगढ़ एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली। मुख्यालय- नयी दिल्ली।
 2. **मध्य क्षेत्रीय परिषद:** उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड तथा मध्य प्रदेश। मुख्यालय- इलाहाबाद।
 3. **पूर्वी क्षेत्रीय परिषद:** बिहार, प. बंगाल, उड़ीसा, झारखण्ड। मुख्यालय- कोलकाता।
 4. **पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद:** गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा और दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र। मुख्यालय- मुम्बई।
 5. **दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद:** आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, करेल, कर्नाटक, तमिलनाडु तथा पुडुचेरी। मुख्यालय- चेन्नई। क्षेत्रीय परिषदों का गठन राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है। इनका संगठन निमानुसार होता है-
 - **अध्यक्ष-** भारत का गृहमंत्री या राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत केन्द्र सरकार का एक मंत्री।
 - **उपाध्यक्ष-** प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद में शामिल किये गये राज्यों के मुख्यमंत्री, रोटेशन से एक समय में एक वर्ष की अवधि के लिए।
 - **सदस्य-** मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय परिषद के अधीन आने वाले प्रत्येक राज्य के राज्यपाल द्वारा नामजद दो-दो अन्य मंत्री।
 - **सलाहकार-** प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद के लिए नीति आयोग द्वारा एक व्यक्ति को नामित किया गया, क्षेत्र में शामिल किये गये प्रत्येक राज्यों द्वारा मुख्य सचिवों एवं अन्य अधिकारी/ विकास आयुक्त को नामित किया गया।
 - **क्षेत्रीय परिषदों में शामिल राज्यों के मुख्य सचिव** (सलाहकार के रूप में)

5

नागरिकता संबंधी प्रावधान

- संविधान निर्माण के बाद संविधान द्वारा चार श्रेणी के लोगों को भारतीय नागरिक माना गया है। ये श्रेणियां कौन-सी हैं? 1. व्यक्ति, जो भारत का मूल निवासी हो।
- 2. व्यक्ति, जो पाकिस्तान से स्थानांतरित हुआ हो।
- 3. व्यक्ति, जो पाकिस्तान स्थानांतरित हुआ हो, लेकिन बाद में लौट आया हो।
- 4. भारतीय मूल का व्यक्ति, जो बाहर रह रहा हो।
- भारतीय संविधान में नागरिकता संबंधी अधिकार किस अनुच्छेद में दिये गये हैं?
 - अनुच्छेद 5 से 11 में
- क्या भारतीय संविधान में नागरिकता की परिभाषा दी गयी है? - नहीं
- 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अंगीकृत करने के साथ नागरिकता से संबंधित किन अनुच्छेदों को तुरंत लागू कर दिया था? - अनुच्छेद 5 से 9
- भारतीय संविधान में नागरिकता के प्रावधान कब लागू हुए? - नवंबर 1949 में
- भारतीय नागरिकता किसके द्वारा दी जाती है? - गृह मंत्रालय, केंद्र सरकार
- संविधान के प्रारम्भ से पहले पाकिस्तान से प्रवास करने वाले व्यक्तियों की नागरिकता के अधिकारों का उपबंध किस अनुच्छेद में किया गया है? - अनुच्छेद 6 में
- संविधान के किस अनुच्छेद में उन व्यक्तियों की नागरिकता के अधिकारों के संबंध में विशेष उपबंध किये गये हैं, जो 1 मार्च, 1947 के बाद पाकिस्तान को प्रवास कर गये थे, किंतु बाद में भारत लौट आये थे? - अनुच्छेद 7 में
- विदेशों में (पाकिस्तान को छोड़कर) रहने वाले व्यक्तियों को नागरिकता किस अनुच्छेद के तहत प्राप्त होती है? - अनुच्छेद 8
- किसी देश की नागरिकता स्वेच्छा से अर्जित करने पर भारत की नागरिकता स्वतः ही समाप्त हो जाती है। इसका उल्लेख किस अनुच्छेद में किया गया है? - अनुच्छेद 9
- किस अनुच्छेद के तहत संसद को नागरिकता के संबंध में कानून बनाने का अधिकार है? - अनुच्छेद 11
- संसद ने इसी अधिकार का प्रयोग करते हुए नागरिकता अधिनियम, 1955 पारित किया। इस अधिनियम में अब तक कितनी बार संशोधन किया गया है? - 6 बार
(1986, 1992, 2003, 2005, 2015 और 2019 में)
- भारतीय संविधान लागू होने के बाद नागरिकता के अर्जन एवं समाप्ति के लिए नागरिकता अधिनियम, 1955 लाया गया। इस अधिनियम में नागरिकता प्राप्त करने की शर्तें कौन-सी हैं?
 - जन्म, वंशानुगत, पंजीकरण, प्राकृतिक एवं क्षेत्र समाविष्ट करने के आधार पर
- भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1986 के तहत देशीकरण द्वारा नागरिकता तभी प्रदान की जायेगी, जबकि संबंधित व्यक्ति कम-से-कम 10 वर्ष तक भारत में रह चुका हो। नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत यह अवधि कितनी थी? - 5 वर्ष
- जो व्यक्ति पंजीकरण के माध्यम से भारतीय नागरिकता प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें पहले भारत में कम-से-कम छह माह तक निवास करना पड़ता था, लेकिन नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1986 के अंतर्गत यह अवधि बढ़ाकर कितनी कर दी गयी है? - 5 वर्ष
- केंद्र सरकार पारस्परिकता के आधार पर किस अंतर्राष्ट्रीय समूह के देशों के नागरिकों को भारतीय नागरिकता के कुछ अधिकार प्रदान कर सकती है? - राष्ट्रमंडल
- पहले भारत से बाहर पैदा हुए बच्चे को केवल उसी स्थिति में भारत की नागरिकता मिलती थी, यदि उसका पिता भारत का नागरिक हो। किस संशोधन अधिनियम के अनुसार, यह निश्चित किया गया कि भारत से बाहर पैदा होने वाले बच्चे को यदि उसकी मां भारतीय है, तो उसे भारत की नागरिकता मिलेगी? - नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 1992 द्वारा

भाग-2

नागरिकता (अनुच्छेद 5-11)

- अनुच्छेद 5: संविधान के प्रारम्भ पर नागरिकता।
- अनुच्छेद 6: पाकिस्तान से भारत को प्रव्रजन करने वाले कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार।
- अनुच्छेद 7: पाकिस्तान को प्रव्रजन करने वाले कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार।
- अनुच्छेद 8: भारत के बाहर रहने वाले भारतीय उद्भव के कुछ व्यक्तियों का नागरिकता के अधिकार।
- अनुच्छेद 9: विदेशी राज्य की नागरिकता, स्वेच्छा से अर्जित करने वाले व्यक्तियों का नागरिक न होना।
- अनुच्छेद 10: नागरिकता के अधिकारों का बना रहना।
- अनुच्छेद 11: संसद द्वारा नागरिकता के अधिकार का विधि द्वारा विनियमन किया जाना।

किसे कहते हैं नागरिकता?

भारतीय संविधान में 'नागरिकता' (Citizenship) की परिभाषा नहीं दी गयी है। नागरिकता किसी व्यक्ति की उस स्थिति को कहते हैं, जिसके अनुसार वह अपने राज्य में साधारण एवं राजनीतिक अधिकारों का उपभोग करता है और अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए तैयार रहता है। नागरिकता वस्तुतः लोकतंत्रात्मक राज्य के मूल आवश्यक सिद्धांतों में से एक है, जो यह स्पष्ट करती है कि व्यक्ति को राज्य की पूर्ण राजनीतिक सदस्यता प्राप्त है। नागरिकता कतिपय दायित्वों, अधिकारों, कर्तव्यों एवं विशेषाधिकारों को स्पष्ट करती है। वास्तव में, नागरिकता व्यक्ति एवं राज्य के बीच एक ऐसे कानूनी संबंध को व्यक्त करती है, जिसमें व्यक्ति अपनी निष्ठा राज्य के प्रति दिखाता है और राज्य इसके बदले व्यक्ति को संरक्षण प्रदान

किंवद्दण NCERT भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- माता की नागरिकता के आधार पर विदेश में जन्म लेने वाले व्यक्ति को नागरिकता देने का प्रावधान किस अधिनियम द्वारा किया गया है? - **नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1992**
- यदि कोई व्यक्ति भारत सरकार की अनुमति के बिना लगातार सात वर्ष तक विदेश में रहे और विदेश के भारतीय दूतावास में अपनी भारतीय नागरिकता बनाये रखने की इच्छा से प्रतिवर्ष पंजीकरण भी न कराये, तो उसकी भारतीय नागरिकता समाप्त हो जायेगी या बरकरार रहेगी?
- किस संशोधन अधिनियम में यह प्रावधान किया गया कि 26 जनवरी, 1950 के बाद भारत में पैदा हुआ व्यक्ति भारत का नागरिक होगा लेकिन उसके माता और पिता दोनों भारत के नागरिक होने चाहिए, या माता-पिता में से कोई एक भारत का नागरिक हो और दूसरा अवैध प्रवासी न हो? - **नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2003**
- भारत में दोहरी नागरिकता के लिए किस अधिनियम के तहत 16 चयनित देशों में बसे भारतीय मूल के लोगों को भारत की ओवरसीज नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान किया गया?
- (16 देश: स्विटजरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इजरायल, पुर्तगाल, फ्रांस, स्वीडन, न्यूजीलैंड, यूनान, साइप्रस, इटली, फिनलैंड, आयरलैंड, नीदरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका) ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया कार्ड प्राप्त भारतीय मूल के लोगों को किस प्रकार का बीजा मिलता है?
- पीआईओ कार्डधारियों को भारत की यात्रा करने के लिए बीजा की आवश्यकता नहीं होती थी। यह कार्ड कितने वर्षों के लिए जारी होता था? - **15 वर्ष**
- केंद्र सरकार ने भारतीय मूल के व्यक्तियों को आजीवन बीजा मुक्त भारत यात्रा सुविधा और विभिन्न प्रकार के लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से 2 दिसंबर, 2005 से किस योजना की शुरुआत की? - **प्रवासी भारतीय नागरिकता योजना (OCI Scheme)**
- भारतीय प्रवासी नागरिकता को दोहरी नागरिकता नहीं समझना चाहिए, क्योंकि इससे उस व्यक्ति को राजनीतिक अधिकार नहीं मिलते। क्या यह कथन सत्य है या असत्य? - **सत्य**
- किस अधिनियम के अंतर्गत यह प्रावधान किया गया कि पाकिस्तान एवं बांग्लादेश को छोड़कर अन्य देशों में 26 जनवरी, 1950 के बाद जाकर बसे भारतीय मूल के सभी नागरिक भारत की विदेशी नागरिकता (**दोहरी नागरिकता**) प्राप्त करने के योग्य हैं?
- - **भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2005**
- 'दोहरी नागरिकता' किस प्रकार की सरकार की विशेषता है? - **संघीय सरकार**
- भारत सरकार ने प्रवासी भारतीयों को पीआईओ कार्ड देने का प्रावधान किस वर्ष किया?
- हैदराबाद में आयोजित भारतीय प्रवासी दिवस के अवसर पर भारत सरकार ने किस वर्ष ओसीआई कार्ड देने की घोषणा की? - **वर्ष 2003 में**
- ओसीआई कार्डधारकों के पास भारतीय नागरिकों की तरह सभी अधिकार हैं, लेकिन उनको कौन-से चार अधिकार नहीं होंगे? - **1. चुनाव नहीं लड़ सकते।
2. वोट नहीं डाल सकते। 3. सरकारी नौकरी या संवैधानिक पद पर नहीं हो सकते। 4. खेती वाली जमीन नहीं खरीद सकते।**
- नागरिकता संशोधन अध्यादेश, 2015 को लागू कर किस कार्ड को समाप्त कर दिया गया है? - **पीआईओ कार्ड को**
- 15 जनवरी, 2015 को भारत सरकार ने पीआईओ कार्ड योजना को वापस लेकर उसे किस योजना के साथ मिला दिया है? - **ओसीआई कार्ड योजना**
- राष्ट्रपति की मंजूरी प्राप्त होने के पश्चात नागरिकता (संशोधन) अध्यादेश 2015 किस तिथि से प्रभावी हुआ?
- भारतीय नागरिकता प्राप्त करने हेतु आवेदन करने के लिए भारत में कितने समय तक (लगातार) रहना अनिवार्य है?
- - **1 वर्ष तक**

करता है। नागरिकों को मतदान देने का अधिकार तो प्राप्त है ही, साथ-साथ यन्हें के सभी पद भी उसके लिए खुले होते हैं। यह अधिकार विदेशी लोगों को प्राप्त नहीं है। भारतीय संविधान निर्माताओं ने भारत के लिए 'एकल नागरिकता' अपनायी है, अर्थात् भारत संघ के नागरिक सिर्फ भारत के नागरिक होंगे, भारतीय राज्यों के नहीं।

एनआरआई कौन होते हैं?

अनिवासी भारतीय (NRI: Non-Resident Indians) भारत के पासपोर्टधारक नागरिक होते हैं। इन्हें नागरिकता संवंधी सभी सुविधाएं प्राप्त होती हैं। इन्हें मताधिकार, बैंक खाता खोलने संबंधी अधिकार भी प्राप्त हैं। ये किसी वित्तीय वर्ष में कम-से-कम 183 दिनों के लिए किसी अन्य देश में रहते हैं। एनआरआई को वोट देने का अधिकार होता है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि उनकी केवल वही आय भारत में करयोग्य होती है, जो वे भारत में कमाते हैं।

पीआईओज कौन होते हैं?

भारतीय मूल के लोग या भारतवंशी (PIOs: People of Indian Origin) वे लोग हैं जो कभी भारत के नागरिक नहीं रहे, लेकिन इनके पूर्वजों में से कोई कभी भारतीय नागरिक रहा था। प्रवासी भारतीयों का सर्वाधिक संकेन्द्रण अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी देशों व अन्य यूरोपीय देशों में है; जबकि भारतवंशियों का सर्वाधिक संकेन्द्रण कैरिबियन देशों, पूर्वो व दक्षिणी अफ्रीका, मॉरीशस, मलेशिया, श्रीलंका और फिजी में है। बांग्लादेश, चीन, अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका को छोड़कर किसी अन्य देश के इन पासपोर्टधारियों को पहले पीआईओ कार्ड जारी किया जाता था, परंतु 15 जनवरी, 2015 को भारत सरकारने पीआईओ कार्ड योजना को वापस ले लिया और इसे ओसीआई के साथ मिला दिया है।

किसे कहते हैं ओसीआई?

समुद्रपारीय भारतीय नागरिक (OCI: Overseas Citizenship of India) वे लोग हैं जो कभी न कभी भारतीय नागरिक नहीं और वर्तमान में स्थायी तौर पर विदेशों में रह रहे हैं। ये विदेशी नागरिक होते हैं तथा साधारणतः इनका निवास विदेश में होता है।

नागरिकता संबंधी प्रावधान

- भारत की नागरिकता किस प्रकार की है? - **स्थान आधारित नहीं, अपितु वश आधारित भारतीय नागरिकता किस प्रकार छोड़ी जा सकती है या समाप्त हो सकती है?**
- किसी व्यक्ति की नागरिकता समाप्त होने पर उसके अवयस्क बच्चे की भी नागरिकता समाप्त हो जाती है, किंतु अवयस्क बच्चा वयस्क होने पर कितने वर्ष के भीतर भारतीय नागरिकता की घोषणा कर सकता है? - **वेशदोह का आरोप मिल्दा होने पर एक वर्ष के भीतर**
- भारतीय नागरिकता का परिलिपण किस प्रकार किया जा सकता है? - **स्वेच्छा से, विदेशी नागरिकता के ग्रहण में एवं वचित करने पर यदि कोई भारतीय व्यक्ति किसी दूसरे देश की नागरिकता ग्रहण कर लेता है, तो वह?** - **भारत का नागरिक नहीं रह जाता**
- भारतीय संविधान में शामिल एकल नागरिकता किस देश के संविधान से प्रेरित है? - **ब्रिटेन**
- भारतीय संविधान के तहत एकल नागरिकता का प्रावधान है। भारत में क्या राज्यों द्वारा अलग से नागरिकता दी जाती है? - **नहीं**
- भारत के किस एकमात्र प्रांत के नागरिकों को दोहरी नागरिकता प्राप्त थी? - **जम्मू व कश्मीर**
- अफगानिस्तान, बांगलादेश और पाकिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धर्मों के प्रवासा धार्मिक प्रताङ्कों का शिकार हो भारत आये हैं उनको देश की नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान किस अधिनियम में किया गया है? - **नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019**
- नागरिकता संशोधन विधेयक, 2019 को लोकसभा न 10 अक्टूबर, 2019 का तथा राज्यसभा ने 11 दिसंबर, 2019 को परित किया। किस तिथि को भारत के राष्ट्रपति द्वारा इस पर हस्ताक्षर कर दिये जाने के बाद यह विधेयक एक अधिनियम बन गया। 10 जनवरी, 2020 से यह अधिनियम प्रभावी भी हो गया है। सोए के तहत मुस्लिम बहुल आबादी वाले पाकिस्तान, बांगलादेश और अफगानिस्तान में उत्पीड़न के कारण भागकर भारत आये छह धार्मिक अल्पसंख्यकों हिंदू, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और पारसी धर्म के लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है। इसमें मुस्लिमों को शामिल नहीं किया गया। इसके अंतर्गत आने वाले लाभार्थी वे होंगे जो 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुके हैं और उनको अपने मूल देशों में 'धार्मिक उत्पीड़न या धार्मिक उत्पीड़न के डर' का सामना करना पड़ा है।
- नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के अंतर्गत पाकिस्तान, बांगलादेश और अफगानिस्तान के कितने धार्मिक अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान किया गया है? - **6 समुदायों (हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई)**
- 2019 के संशोधन अधिनियम के तहत उपरोक्त तीन देशों के मुसलमानों को शामिल नहीं किया गया है। इन देशों का कोई मुस्लिम नागरिक भारतीय नागरिकता के लिए किस अधिनियम के तहत आवेदन कर सकता है? - **नागरिकता संशोधन विधेयक, 1955**
- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC: National Register of Citizens) में भारतीय नागरिकों के नाम शामिल होते हैं। एनआरसी को किस वर्ष की जनगणना के बाद तैयार किया गया था? - **वर्ष 1951 की जनगणना**
- अवैध विदेशियों के खिलाफ असम आंदोलन (1979-85) के बाद केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और छात्र संगठनों के बीच असम समझौता हुआ? - **15 अगस्त, 1985** को इस समझौते में एनआरसी की बात का गया। इसके तहत किस तिथि के बाद पूर्वी पाकिस्तान (बांगलादेश) से गैर-कानूनी तरीके से प्रवेश करने वालों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने के लिए प्रावधान शामिल किया गया। - **24 मार्च, 1971**
- असम से अवैध प्रवासीयों का निकालन के लिए नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन किया गया। इसमें असम के लिए विशेष प्रावधानों के रूप में किस अनुच्छेद को शामिल किया गया? - **अनुच्छेद 6ए**
- असम में लगातार राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के अद्यतनीकरण की प्रगति परनिगरानी कौन कर रहा है? - **उच्चतम न्यायालय**
- भारत का वह पहला और एकमात्र राज्य कौन है, जहां वर्ष 1951 के बाद एनआरसी सूची को अद्यतन किया गया है? - **असम**
- नागरिकता प्राप्त करने हेतु शर्त निर्धारित करने वाला सक्षम निकाय कौन-सा है? - **संसद**

भारत में इन्हें जीवनपर्याप्त बीजा की सुविधा उपलब्ध है। पांच वर्ष पंजीयन एवं एक वर्ष तक भारत में रहने पर इन्हें भारत की नागरिकता प्राप्त हो जाती है। ये भारत में भारतीय मुद्रा में बैंक खाता खोल सकते हैं।

सोए क्या है?

सोए का पूरा रूप होता है सिटीजन अमेंडमेंट एक अर्थात् नागरिकता संशोधन अधिनियम। इससे संबंधित विधेयक को लोकसभा ने 10 दिसंबर, 2019 को तथा राज्यसभा ने 11 दिसंबर, 2019 को पारित किया। 12 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रपति द्वारा इस पर हस्ताक्षर कर दिये जाने के बाद यह विधेयक एक अधिनियम बन गया। 10 जनवरी, 2020 से यह अधिनियम प्रभावी भी हो गया है। सोए के तहत मुस्लिम बहुल आबादी वाले पाकिस्तान, बांगलादेश और अफगानिस्तान में उत्पीड़न के कारण भागकर भारत आये छह धार्मिक अल्पसंख्यकों हिंदू, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और पारसी धर्म के लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है। इसमें मुस्लिमों को शामिल नहीं किया गया। इसके अंतर्गत आने वाले लाभार्थी वे होंगे जो 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुके हैं और उनको अपने मूल देशों में 'धार्मिक उत्पीड़न या धार्मिक उत्पीड़न के डर' का सामना करना पड़ा है।

व्या है एनआरसी?

राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC: National Register of Citizens) में भारतीय नागरिकों के नाम शामिल होते हैं। अवैध विदेशियों के खिलाफ असम आंदोलन के कारण केंद्र, राज्य सरकार और असम के छात्र संगठनों के बीच 15 अगस्त, 1985 को असम समझौते पर हस्ताक्षर किये गये, जिसमें बांगलादेश से गैर-कानूनी तरीके से प्रवेश करने वालों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने के लिए 24 मार्च, 1971 की अंतिम तिथि निर्धारित की गयी। तदनुसार नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन किया गया और इसमें असम के लिए विशेष प्रावधानों के रूप में अनुच्छेद 6ए को शामिल किया गया। उच्चतम न्यायालय एनआरसी के अद्यतनीकरण की प्रगति को निगरानी कर रहा है।